हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 | www.prakharpurvanchal.com | Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 6, अंकः 220, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 | 26 जनवरी, 2022 दिन बुधवार | गाजीपुर/वाराणसी

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

आरपीएन सिर्फ पडरौना के नेता, दूर-दूर तक कहीं खड़े नहीं होते : स्वामी प्रसाद

लखनऊ। आरपीएन सिंह के कांग्रेस छोड़ भाजपा का दामन थामने के बाद उम्मीद जताई जा रही है उनकी पत्नी सोनिया सिंह पडरौना से स्वामी प्रसाद मौर्या के खिलाफ चुनाव लड़ सकती हैं। राजनीतिक गलियारों में आरपीएन के पार्टी परिवर्तन को पिछले दिनों पाला बदलकर भाजपा से समाजवादी पार्टी में शामिल हुए स्वामी प्रसाद मौर्या के लिए बड़ी चुनौती माना जा रहा है। आरपीएन स्वामी को 2009 का लोकसभा चुनाव हरा चुके हैं। मंगलवार को आरपीएन के पाला बदल पर प्रतिक्रिया में स्वामी प्रसाद मौर्या ने उन्हें सिर्फ पडरौना का नेता बता दिया। मौर्या ने कहा-'आरपीएन सिंह जी सिर्फ पडरौना के नेता है। वहां के अलावा उन्हें कोई जानता तक नहीं है। उनका कोई जनाधार नहीं है। अपनी विधानसभा के

सिवा उनका कहीं जनाधार नहीं है। ऐसे लोग कहीं दूर-दूर तक पीछे खड़े नहीं हो सकते। यदि भाजपा कहीं गलत मुगालते में उनका प्रयोग करना चाहती है तो यह भी विफल होगा। भाजपा की करारी हार होगी।' गौरतलब है कि पूर्व केंद्रीय मंत्री आरपीएन सिंह ने मंगलवार को पार्टी छोड़ने का ऐलान कर दिया है। कुशीनगर में पडरौना राजघराने से आने वाले आरपीएन सिंह आज ही भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने जा रहे हैं। आरपीएन सिंह ने कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को अपना इस्तीफा भेजने के साथ ट्विटर पर यह भी ऐलान कर दिया है कि वह नए सफर की शुरूआत करने जा रहे हैं। आरपीएन सिंह ने ट्वीट किया, "आज, जब पूरा राष्ट्र गणतंत्र दिवस का उत्सव मना रहा है, मैं अपने राजनैतिक जीवन में नया अध्याय आरंभ कर रहा हूं। जयहिंद।" सोनिया गांधी को भेजे इस्तीफे में आरपीएन सिंह ने लिखा है कि वह कांग्रेस पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे रहे हैं। उन्होंने राष्ट्र और लोगों की सेवा करने का मौका देने के लिए सोनिया गांधी को धन्यवाद भी दिया है।

छुट्टी की सूचना

गणतंत्र दिवस के पावन पर्व पर **प्रखर पूर्वांचल** कार्यालय में 26 जनवरी दिन बुधवार को अवकाश रहेगा। अतः समाचार पत्र का अगला अंक एक दिन बाद प्रकाशित होगा।

-संपादक

राहुल गांधी पंजाब में 27 जनवरी को करेंगे चुनाव अभियान की शुरूआत

नई दिल्ली। पंजाब में सत्ताधारी दल कांग्रेस दोबारा वापसी की कोशिशें कर रही हैं। चुनाव में फतह के लिए कांग्रेस नेता जोर-शोर से जुटे हुए हैं। उधर, कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी भी पंजाब में चुनाव अभियान की शुरूआत करने जा रहे हैं। राहुल गांधी 27 जनवरी को पंजाब का दौरा करेंगे। पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू ने इसकी जानकारी दी है। सिद्धू ने बताया कि राहुल गांधी 27 जनवरी को अमृतसर पहुंचेंगे। राहुल गांधी अमृतसर में श्री हरमंदिर साहिब के दर्शन करेंगे और 117 उम्मीदवारों के साथ भगवान वाल्मीकि तीर्थ स्थल का दौरा करेंगे। आपको बताते हैं कि राहुल गांधी का पूरा शेड्यूल क्या है।

कैश और मुफ्त उपहार का वादा करने वाले दलों का चुनाव चिन्ह जब्त करने की मांग

नई दिल्ली। मतदाताओं को लुभाने के लिए कई राजनीतिक दल अक्सर कैश और मुफ्त उपहार का वादा करते हैं। राजनीतिक पार्टियों की तरफ से इस तरह के वादे किए जाने को लेकर रोक लगाए जाने की मांग की गई है। इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई है। याचिका में सुप्रीम कोर्ट से ऐसे राजनीतिक दलों का चुनाव चिन्ह जब्त करने और उनकी मान्यता रद करने की मांग की गई है। सुप्रीम कोर्ट ने याचिका पर सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार और चुनाव आयोग को नोटिस जारी किया है। सुप्रीम कोर्ट ने इसको लेकर चार हफ्ते में जवाब मांगा है। ये याचिका अश्विनी कुमार उपाध्याय ने दाखिल की है। सुप्रीम कोर्ट ने कैश और मुफ्त उपहार का वादा करने वाली राजनीतिक पार्टियों का चुनाव चिन्ह जब्त करने और उनकी मान्यता रद्द करने की मांग वाली याचिका पर केंद्र सरकार और चुनाव आयोग को जारी किया नोटिस। चार सप्ताह में मांगा जवाब। याचिका में मांग की गई है कि उन राजनीतिक दलों का पंजीकरण रद हो जिन्होंने सार्वजनिक धन से मुफ्त में चीजें वितरण करने का वादा किया था। अब चार हफ्ते के भीतर केंद्र सरकार और चुनाव आयोग को इस पर जवाब देना है।

राजपथ पर गूंजेगा 'ऐ मेरे वतन के लोगों', 'सारे जहां से अच्छा' गाते हुए बैरकों में वापस जाएगी भारतीय सेना

नई दिल्ली। गणतंत्र दिवस समारोह के अंतर्गत 29 जनवरी की शाम को होने वाली 'बीटिंग द रिट्रीट' सेरेमनी इस बार खास होगी। इस विशेष समारोह में सेना की ओर से 26 धुनों को बजाया जाएगा। हालांकि, 1950 से बजने वाली अबाइड विद मी धुन इस समारोह का हिस्सा नहीं होगी। सेना की ओर से जारी की गई सूची में इस धुन को शामिल नहीं किया गया है, लेकिन भारतीय सेना की टुकड़ियां इस बार जिन 26 धुनों को बजाते हुए मार्चपास्ट करेंगी, वह हर किसी भारतीय का सिर गर्व से ऊंचा कर देगा।

क्यों अहम है बीटिंग द रिट्रीट- गणतंत्र दिवस समारोह के अंतर्गत 'बीटिंग द रिट्रीट' सेरेमनी एक अहम हिस्सा है। 29 जनवरी की शाम को हर साल होने वाली यह बीटिंग रिट्रीट गणतंत्र दिवस समारोह के समापन का प्रतीक है। तीनों सेनाएं इस खास मौके पर विशेष धुनें बजाकर राष्ट्रपति से अपनी बैरकों में वापस जाने के लिए आधिकारिक अनुमति मांगती हैं। पारंपरिक धुनों के साथ मार्चपास्ट करती सेनाएं गणतंत्र दिवस समारोह के समापन की घोषणा भी करती हैं।

क्यों चर्चा में है इस बार की बीटिंग रिट्रीट- 1950 से अब तक गणतंत्र दिवस का समापन स्कॉटिश कवि हैनरी लाइट के द्वारा लिखे गए 'अबाइड विद मी' की धुन को बजाकर किया जाता था। कथित तौर पर यह महात्मा गांधी की पसंदीदा धुन भी है। हालांकि, इस बार यह धुन बीटिंग रिट्रीट का हिस्सा नहीं होगी। भारतीय सेना की ओर से जारी की गई सूची में इस धुन को स्थान नहीं मिला है। इससे पहले 2020 में भी इसे शामिल नहीं किया गया था, लेकिन विवाद के बाद 2021 की बीटिंग रिट्रीट में इस धुन को बजाया गया। एक बार फिर यह धुन समापन समारोह में नहीं सुनाई देगी।

'सारे जहां से अच्छा' से होगा गणतंत्र दिवस समारोह का समापन- गणतंत्र दिवस के बीटिंग रिट्रीट के लिए जारी की गई सूची में पहली धुन बिगुल पर फैनफेयर गीत की होगी। इस समारोह में हे कांचा, चन्ना बिलौरी, जय जन्म भूमि, नृत्य सरिता, विजय जोश, केशरिया बन्ना, वीर सियाचीन, हाथरोई, विजय घोष, लड़ाकू, स्वदेशी', अमर चैतन्न, गोल्डन ऐरो, स्वर्ण जयंती, वीर सैनिक, यश्स्वी, जय भारतीय, करेला, सिकि-अ- मोल, हिंद की सेना, कदम-कदम बढ़ाए जा, ऐ मेरे वतन के लोगों को शामिल किया गया है।

कौन-कौन बजाएगा धुन- समापन समारोह में मास बैंड वीर सैनिक गीत और पाइप्स एंड ड्रम्स बैंड 6 धुन बजाएंगे। एयरफोर्स का बैंड 4 धुन प्ले करेगा। इसमें फ्लाइट लेफ्टिनेंट एल एस रूपाचंद्रन की तरफ से खास लड़ाकू धुन भी शामिल होगी। नेवी का बैंड 4 धुनें बजाएगा। आर्मी मिलिट्री बैंड- केरल, सिकी ए मोल और हिंद की सेना नाम से 3 धुनें बजाएगा। मास बैंड 3 और धुनें कदम-कदम बढ़ाए जा, ड्रमर्स कॉल और ऐ मेरे वतन के लोगों की प्रस्तुति देगा।

लोकायुक्त एक्ट में बदलाव की तैयारी में केरल सरकार, कांग्रेस-भाजपा ने खोला मोर्चा

तिरुवनंतपुरम। केरल सरकार लोकायुक्त अधिनियम में संशोधन करने जा रही है। वहीं, केरल सरकार अपने फैसले को लेकर विपक्षी दलों के निशाने पर आ गई

है। कांग्रेस और भाजपा ने राज्य सरकार को आड़े हाथों लिया है। विपक्षी दलों ने आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार के फैसले से लोकायुक्त की शक्तियां कमजोर होंगी और भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिलेगा। कांग्रेस ने राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान से अध्यादेश पर हस्ताक्षर ना करने का आग्रह किया है। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि माकपा नीत सरकार ऐसे समय में अध्यादेश जारी कर एजेंसी की शक्तियों पर अंकुश लगाने की कोशिश कर रही है जब सरकार पास अनियमितताओं के कई शिकायतें हैं। कहा जा रहा है कि पिछली कैबिनेट बैठक के दौरान अध्यादेश को मंजूरी दी गई थी, लेकिन बाद में सरकार द्वारा जारी किए गए कैबिनेट ब्रीफ में इसका उल्लेख नहीं था।

कांग्रेस की राज्यपाल को चिट्ठी- विपक्षी नेता वीडी सतीसन ने राज्यपाल को चिट्ठी लिखी है। सतीसन ने राज्यपाल से अध्यादेश को मंजूरी ना देने की अपील की है। उन्होंने चिट्ठी में लिखा कि सरकार ने ये कदम लोकायुक्त की शक्तियों को कम करने के लिए उठाया है। उन्होंने यह भी आशंका जताई कि ये लोकायुक्त के अस्तित्व को नष्ट कर देगा। सतीसन ने केरल लोकायुक्त अधिनियम, 199 की धारा 3 का उल्लेख करते बताया कि एक व्यक्ति को केवल तभी लोकायुक्त के रूप में नियुक्त किया जा सकता है जब उसने पहले सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश या उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में कार्य किया हो। उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट के किसी भी पूर्व जज को इस पद पर नियुक्त करने से राज्य की सबसे महत्वपूर्ण संस्था की शक्ति कम होगी।

भाजपा में शामिल हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री आरपीएन सिंह

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश में 10 फरवरी को पहले चरण का मतदान होना है। इसके लिए सभी पार्टियों ने प्रत्याशियों का भी एलान कर दिया है। राजनीतिक उठापठक के बीच चुनाव जीतने के लिए राजनीतिक दलों ने पूरी ताकत झोंक दी है। नेताओं के दल बदलने का सिलसिला भी जारी है। इन सबके साथ नेताओं की बयानबाजी और

गुटबाजी भी अब सामने आने लगी है। भाजपा में शामिल होने के बाद आरपीएन सिंह ने कहा कि अगर देश में राष्ट्र निर्माण करना है और देश को आगे बढ़ाना है तो मैं एक छोटे कार्यकर्ता की हैसियत से हमारे प्रधानमंत्री मोदी के सपनों को पूरा करने के लिए जो भी प्रयास होगा अवश्य करूंगा। उन्होंने कहा कि 32 सालों तक मैं एक पार्टी में रहा ईमानदारी से, लगन से मेहनत की। परन्तु जिस पार्टी में इतने साल रहा अब वो पार्टी रह नहीं गई ना वो सोच रह गई जहां मैंने शुरूआत की थी। उन्होंने कहा कई लोग मुझे कहते थे कि आपको भाजपा में होना चाहिए। उन सभी से मैं यही कहूंगा कि देर आए दुरुस्त आए। भाजपा में शामिल होने के बाद आरपीएन सिंह ने कहा कि पिछले सात साल में प्रधानमंत्री के नेतृत्व में जो उत्तर प्रदेश का विकास हुआ है वो पूरे देश ने देखा है।

राष्ट्रीय मतदाता दिवसः लोकतंत्र में सभी को आलोचना करने का अधिकार है, लेकिन भाषा को ध्यान में रखें: किरेन रिजिजू

नई दिल्ली। आज भारत में 12वां राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया जा रहा है। इस दिन राजनीतिक प्रक्रिया में युवाओं को सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। मतदान महत्वपूर्ण मौलिक अधिकारों में से एक है, जिसका प्रयोग आपको एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी देता है, जिसमें एक व्यक्ति को सरकार चुनने हक होता है। राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर मुख्य चुनाव आयुक्त सुशील चंद्रा ने बताया कि आज देश में 95.3 करोड़ से अधिक मतदाता हैं, जिनमें 49 करोड़ पुरुष मतदाता और 46 करोड़ महिला मतदाता शामिल हैं। इन पंजीकृत मतदाताओं में 1.92 करोड़ वरिष्ठ नागरिक हैं। इस साल देश के पांच राज्यों में, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, मणिपुर, गोवा और पंजाब में विधानसभा चुनाव होने हैं।

विधानसभा चुनाव 2022 को लेकर तैयारियां जोरों-शोरों पर चल

रही है। चुनाव आयोग देशभर में बढ़ते कोविड-19 के मामलों को देखते हुए सख्त रुख अपना रहा है। इस बार कोरोना काल में हो रहे विधानसभा चुनाव में आयोग द्वारा कई प्रतिबंध लगाए गए हैं, जिनमें चुनावी रैलियों से लेकर मतदान तक कोविड प्रोटोकाल निभाना अनिवार्य होगा। मुख्य चुनाव आयुक्त सुशील चंद्रा ने कहा, 'हमने चुनाव वाले सभी पांच राज्यों में टीकाकरण की गति बढ़ाने पर जोर दिया है और यह सुनिश्चित करने के लिए सभी इंतजाम किए जाएंगे कि यह चुनाव पूरी तरह सुरक्षित रहे।' राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर केंद्रीय कानून और न्याय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा, 'लोकतंत्र में सभी को आलोचना करने का अधिकार है लेकिन भाषा को ध्यान में रखें। अदालत चुनाव आयोग की आलोचना कर सकती है लेकिन न्यायाधीशों को भी आलोचना करने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली भाषा के बारे में सोचना चाहिए'।

बंगाल में जुबानी जंगः विधानसभा स्पीकर पर भड़के राज्यपाल धनखड़, बोले- मेरे खिलाफ बोलने का लाइसेंस मिला है क्या?

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में एक बार फिर से सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। प्रदेश के राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने मंगलवार को एक बार फिर से विधानसभा स्पीकर बिमान बनर्जी और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर हमला बोला। उन्होंने स्पीकर पर संवैधानिक मानदंडों का उल्लंघन करने और उनके द्वारा मांगी गई जानकारी प्रदान नहीं करने का आरोप लगाया। गणतंत्र दिवस से पहले विधानसभा परिसर में बी आर अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद धनखड़ ने संवाददाताओं से कहा कि ऐसा लग रहा है कि स्पीक के पास राज्यपाल के बारे में कुछ भी बोलने का लाइसेंस है। वे कुछ भी बोले जा रहे हैं खुद नियमों की अवहेलना कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि कई मौकों पर स्पीकर ने उन्हें मांगी गई जानकारी नहीं दी, जिसमें बीएसएफ के संचालन के क्षेत्र के विस्तार पर विधानसभा के प्रस्ताव का विवरण भी शामिल था। धनखड़ ने कहा कि विधानसभा में उनके अभिभाषण को दो बार ब्लैक आउट किया गया। क्या वह अनुच्छेद 168 को नहीं जानते हैं। राज्यपाल विधायिका में नंबर एक है, सदन में दूसरा ... मैं इस तरह के अविवेकपूर्ण, असंवैधानिक कार्य का सामना नहीं करूंगा। स्पीकर अब से राज्यपाल के संबोधन को ब्लैकआउट नहीं करेंगे। यदि वह ऐसा करते हैं तो कानून का सामना करने के लिए तैयार रहें। धनखड़ ने विधानसभा के लॉन में यह बातें तब कहीं जब स्पीकर उनसे कुछ फीट पीछे खड़े थे। मंगलवार को राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर उन्होंने दावा किया कि पश्चिम बंगाल में लोगों को अपने मताधिकार का स्वतंत्र और निडर होकर प्रयोग करने की स्वतंत्रता नहीं है। धनखड़ ने कहा कि हमने चुनाव के बाद अभूतपूर्व स्तर की हिंसा देखी है, जिन्होंने अपनी मर्जी से वोट देने की हिम्मत की, उन्हें इसकी कीमत अपनी जान देकर चुकानी पड़ी।

भंडारण-वितरण में राज्यों की बढ़ेगी भूमिका ग्राम पंचायत स्तर पर बनाए जाएंगे गोदाम

नई दिल्ली। आगामी आम बजट में खाद्यान्न भंडारण और राशन वितरण व्यवस्था में राज्यों की भूमिका को और बढ़ाने पर जोर दिया जाएगा। इससे जहां अनाज की ढुलाई और उसके रखरखाव का खर्च घटाने में मदद मिलेगी। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) के तहत देश की 81 करोड़ जनता को बेहद रियायती दरों पर अनाज दिया जाता है। इसके लिए केंद्रीय पूल में पंजाब, हरियाणा, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों में गेहूं व चावल की भारी खरीद की जाती है। सरकारी खरीद वाले अनाज का भंडारण उन्हीं उत्पादक राज्यों में किया जाता है। सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के लिए खाद्यान्न की आपूर्ति उपभोक्ता राज्यों में करनी पड़ती है। इसमें भारी लाजिस्टिक्स खर्च होता है। लगातार बढ़ती खाद्य सब्सिडी पर काबू पाने के लिए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण इसमें सुधार कर सकती हैं। भारतीय खाद्य निगम (एफसीआइ) ने वर्ष 1965 में जहां 13 लाख टन अनाज की खरीद की थी, वह अब बढ़कर 13 करोड़ टन से अधिक हो चुकी है।

इसी तरह उस समय जहां मात्र 18 लाख टन अनाज राशन दुकानों से गरीबों में वितरित किया जाता था, वह इस समय बढ़कर छह करोड़ टन पहुंच गया है। खाद्यान्न प्रबंधन का यह अनूठा और भारी भरकम गणित दुनिया में कहीं और नहीं है। इस पर खर्च व खाद्य सब्सिडी सरकारी खजाने पर भारी पड़ती है। आगामी बजट में इस दिशा में सुधार के उपाय जरूर किए जाएंगे। कृषि उपज की स्थानीय खरीद को प्रोत्साहित करने के लिए सभी राज्यों को खाद्य मंत्रालय की ओर से विशेष मदद मुहैया कराई जाएगी, ताकि वहां के किसानों को दूसरे राज्यों की तरह लाभ मिल सके। लेकिन इसके पहले उन राज्यों में भंडारण के बुनियादी ढांचे के विकास को तरजीह दी जाएगी। इसके लिए ब्लाक स्तर के साथ ग्राम पंचायत स्तर भी ग्रामीण गोदामों का निर्माण किया जाएगा। बजट प्रावधानों में कृषि मंत्रालय की ग्रामीण गोदाम योजना को और प्रोत्साहन मिल सकता है। देश के ज्यादातर राज्यों में अनाज भंडारण की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है। जबकि कुछ उत्पादक राज्यों पर्याप्त है। इसके बीच संतुलन बनाने की जरूरत पर बल दिया जाएगा। ग्राम पंचायत स्तर पर अनाज की खरीद, भंडारण और राशन दुकानों के माध्यम से गरीबों को अनाज दिए जाने की समुचित चेन तैयार की जाएगी। इससे एफसीआइ पर दबाव घटेगा वहीं खजाने का बोझ कम होगा।

संजय राउत ने दिलाई हिंदुत्व पर इतिहास की याद, भाजपा बोली- टीपू सुल्तान के समर्थक पहले अपने गिरेबां में झांके

मुंबई। शिवसेना नेता संजय राउत ने मंगलवार को एक बार फिर से हिंदुत्व के मुद्दे पर भारतीय जनता पार्टी पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा के नए नेताओं को याद रखना चाहिए कि सबसे पहले हिंदुत्व के मुद्दे पर चुनाव लड़ने वाली कोई पार्टी थी तो वह शिवसेना थी। उन्होंने कहा कि भाजपा के नए नेताओं (नव हिंदुत्ववादी) को इतिहास की जानकारी नहीं है। किसी ने उनके इतिहास के पन्ने फाड़ दिए हैं। लेकिन हम समय-समय पर हम उन्हें जानकारी देंगे। वहीं इससे पहले राउत ने सोमवार को भी भारतीय जनता पार्टी पर कटाक्ष करते हुए कहा था कि शिवसेना महाराष्ट्र में भाजपा को नीचे से ऊपर तक ले गई। उन्होंने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के बयान को भी दोहराया और कहा कि भाजपा केवल सत्ता के लिए हिंदुत्व का उपयोग करती है। महाराष्ट्र में भाजपा विधायक आशीष शेलार ने पलटवार करते हुए कहा कि अगर आप अपने इतिहास को भूलकर सिर्फ सत्ता के लिए शरण लेने की तस्वीर देखना चाहते हैं, तो आपको ठाकरे के नेतृत्व वाली एमवीए सरकार की यह घटना देखनी चाहिए। टीपू सुल्तान ने भारत पर हमला किया था और ठाकरे सरकार का एक मंत्री उनके नाम पर कुछ स्थापित कर रहा है। शेलार ने कहा कि शिवसेना इस पर खामोश है, यह उनका पाखंड है और हम ऐसे कार्यक्रमों का विरोध करते हैं। मीडिया से बात करते हुए राउत ने कहा था कि बाबरी के बाद उत्तर भारत में शिवसेना की लहर थी। देश में हमारा प्रधानमंत्री होता लेकिन हमने उनके लिए छोड़ दिया। भाजपा केवल सत्ता के लिए हिंदुत्व का उपयोग करती है। वहीं राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के नेता नवाब मलिक ने भी उद्धव ठाकरे के भाजपा के साथ 25 साल बर्बाद वाले बयान का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि यह सच है कि भाजपा के साथ गठबंधन करने वाली पार्टियों को उन्होंने धीरे-धीरे नष्ट कर दिया। अपने धर्म पर गर्व करना अच्छा है, लेकिन दूसरे धर्मों के प्रति नफरत करना सही नहीं है।

संपादकीय

मुख्यमंत्रियों के पर काटने की तैयारी

पिछले वर्षों में केंद्र एवं राज्यों के बीच टकराव बढ़ता ही जा रहा है। केंद्र सरकार के अधीन केंद्रीय एजेंसियों की भूमिका पर लगातार राज्य सरकारों द्वारा विरोध सार्वजनिक रूप से प्रकट किया जा रहा है। जीएसटी, कृषि कानून सहित दर्जनों ऐसे नए केंद्रीय कानून बनाये गए हैं, जो राज्यों की स्वायतता को कम करने अथवा कम करने की ओर इशारा कर रहे हैं। केंद्र एवं राज्यों के बीच अखिल भारतीय सेवा के अधिकारी समन्वय बनाए रखने का काम करते थे। पिछले 70 वर्षों में भारतीय प्रशासनिक सेवा केडर के अधिकारी एवं इनसे जुड़े नियमों के कारण केंद्र एवं राज्यों के बीच अधिकारों को लेकर कोई वैमन्सयता देखने को नहीं मिली थी। केंद्र एवं राज्यों के बीच बेहतर तालमेल बना हुआ था। पिछले 6 वर्षों में इसमें लगातार तल्खी देखने को मिल रही है। हाल ही में केंद्र सरकार द्वारा भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों की पदस्थापना एवं नियंत्रण को लेकर जो बदलाव प्रस्तावित किए हैं। उसमें भारत की संघीय व्यवस्था को बहुत नुकसान होगा। राज्य सरकारों के लिए तय संवैधानिक अधिकार बढ़ेंगे। राज्य सरकारों के महत्वपूर्ण पदों पर तैनात अधिकारी केन्द्र सरकार के मुख्यमंत्रियों एवं जनता द्वारा चुनी गई राज्य सरकारों के कामकाज में केन्द्र का दखल बढ़ेगा। भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री भी केंद्र सरकार के इस प्रस्ताव का विरोध कर रहे हैं। किंतु प्रधानमंत्री मोदी की इच्छा के विपरीत विरोध करने का साहस उनमें नहीं है। गैर भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने पुरजोर विरोध करना शुरू कर दिया है। केंद्र सरकार ने इस प्रस्ताव को अमलीजामा पहनाने का कार्य किया तो राज्य सरकारें कानूनी लड़ाई लड? की तैयारी शुरू कर दी है। प्रदेश के राजनेताओं का चाहे वह किसी भी पार्टी का हो वह स्वीकार कर रहा है कि केंद्र सरकार का यह प्रस्ताव राज्य सरकारों के अधिकार को कम करेगा। अभी जो हालत दिल्ली की निर्वाचित सरकार की है। यही स्थिति अन्य राज्यों को हो जाएगी। केंद्र सरकार जिस तरह से अधिकारों का केंद्रीकरण कर रही है। उससे लगता है कि केंद्र सरकार सत्ता की सारी ताकत अपने हाथ में रखना चाहती है। आपातकाल के दौरान केंद्र सरकार के पास सत्ता का केंद्रीकरण होने से जो तानाशाही आपातकाल के दौरान देखने को मिली थी। वहीं स्थिति केंद्र सरकार के वर्तमान प्रस्ताव के लागू होने पर देखने को मिलेगी। संस्थागत निकाय, जिनके माध्यम से केंद्र-राज्य संबंधों से सम्बद्ध मुद्दों को विचार विमर्श एवं हल किया जाता है, वे हैं- अंतरराज्यीय परिषद्, राष्ट्रीय एकता परिषद्, राष्ट्रीय विकास परिषद्, योजना आयोग, वित्त आयोग एवं भारतीय रिजर्व बैंक बोर्ड एवं अन्य वित्तीय समस्याएं हैं। हालांकि, विगत परिदृश्य दिखाता है कि न तो इन निकायोंने राज्यों के प्रतिनिधियों के साथ प्रभावी कार्य किया है और न ही इनके निर्णय राज्यों के प्रति निष्पक्ष थे। इनका यह दृष्टिकोण एवं व्यवस्था परिवर्तित करने की आवश्यकता है। कई अन्य राष्ट्रीय एवं अंतर्राज्यीय मुद्दे हैं, जो केंद्र राज्य संबंधों में महत्वपूर्ण हैं। इनमें बड़े सिंचाई कार्यक्रम, बड़ी नदियों का अपरदन, केंद्रीय सार्वजानिक उपक्रमों, रेलवे, राष्ट्रीय राजमार्गों, पत्तनों, हवाई अड्डों इत्यादि में केंद्रीय निवेश जैसे विषय शामिल हैं। इनमें से प्रत्येक मुद्दे में केंद्र एवं राज्यों के हित शामिल हैं, और यह आवश्यक है की निर्णयों को लेने में अंतरराज्यीय संतुलन सुनिश्चित किया जाए।

अपना संविधान !

जानो समझो ठीक से ।
अपना संविधान ।।
उठते सोते जागते ।
है करना सम्मान ।।
धड़कन है हमारी ।
बसता इसमें प्राण ।।
ज़िंदगी में अपनी ।
कितना इसे उतारा ।।
दिया कितना मान ।
कितनों का सहारा ।।
लाए कितना अमल ।
खड़ा है सवाल ।।
किया आत्मसात यदि ।
फिर क्यों ये बवाल ।।
प्रश्न है प्रतिष्ठा का ।
लगे न कोई दाग ।।
रहे बनी मयार्दा ।
तो फिर करना त्याग ।।

–कृष्णेन्द्र राय

बदलते भारत की पहचान परिपक्व लोकतंत्र और मजबूत संविधान

कई सारे परिवर्तनों से देश गुजरा है, गुजर भी रहा है। स्वतंत्रता के पहले और बाद की स्थितियाँ-परिस्थितियाँ काफी अलग हैं, बदली हुई हैं तथा निरंतर बदल भी रहीं हैं। सच तो यह है कि नागरिकों में उनके अधिकारों के प्रति चेतना बल्कि कहें जनचेतना का जो भाव दिख रहा है, उसके मूल में कहीं न कहीं स्वतंत्रता और संविधान ही है। एक लोकतांत्रिक गणराज्य होने के चलते हर भारतवासी अपनी स्वतंत्रता को अक्षुण्ण रखने के लिए कटिबध्द है वहीं संविधान के प्रति भी पूरी जिम्मेदारी के साथ भारतवासी होने पर गर्व भी करता है। 1950 में भारत सरकार अधिनियम 1935 को हटाकर भारतीय संविधान लागू किया गया। भारत का स्वतंत्र गणराज्य बनने और देश में कानून का राज स्थापित करने के लिए ही संविधान, 26 नवम्बर 1949 को भारतीय संविधान सभा द्वारा अपनाया गया जिसे 26 जनवरी 1950 को लोकतांत्रिक व्यवस्था के साथ लागू किया गया। निश्चित रूप से दुनिया में हमारी साख के पीछे हमारा मजबूत संविधान और सशक्त दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र ही है जो विश्व में आश्चर्य, विश्वास के साथ स्वीकार्यता की कसौटी पर खरा उतर कर दुनिया में भारत को विश्व गुरू की ओर अग्रसर कर रहा है।

संविधान में सबकी हदें हैं। अगर सरकारें सही काम नहीं करती है तो जनता को 5 साल में उलटने का अधिकार है। यह भी सही है कि न तो सरकार तैश में आए और न ही न्यायालय। क्या परिपक्व लोकतंत्र में, सरकार को आईना दिखाना अपराध है? बिल्कुल नहीं। लेकिन इस पर भी मंथन की जरूरत है क्योंकि मंथन से ही विष और अमृत दोनों निकलते हैं, किसके हिस्से क्या आएगा, यह परिस्थितियों, प्रमाणों और साक्ष्यों पर निर्भर करता है। देश का चौकस मतदाता खामोशी से सब कुछ देख रहा होता है। कई बार निर्णय कौन करेगा जनमत, सरकार या न्यायालय यह उत्सुकता के विषय जरूर होते हैं। यही खासियत हमारे लोकतंत्र को संविधान ने

दी है जिसके चलते अलग होकर भी सारे स्तंभ मजबूती से संविधान के सहारे लोकतंत्र की सुदृढ़ता को हमेशा निखारते और खूबसूरत बनाते हैं। लोकतांत्रिक व्यवस्था के असफल होने पर जनता के पास बदलाव का मिला अधिकार भी तो संविधान ने ही दिया है। जहां तक कार्यपालिका, न्यायपालिका विधायिका का प्रश्न है, उनके अधिकार और कर्तव्य संविधान में साफ तौर पर निर्देशित हैं और एक दूसरे को नियंत्रित भी करते हैं।

बीते कुछ अन्तराल में, प्रगति की अवधारणा को लेकर एक जनधारणा सी बनती जा रही है कि सरकारों से बेहतर न्यायालय हैं जो जनहित के मुद्दों पर तुरंत सुनवाई करते हैं। काफी हद तक ऐसा दिखता भी है लेकिन सच नहीं होता। न्यायालयीन संज्ञान में आकर कई बार त्वरित निर्णय होते जरूर हैं लेकिन उन पर भी सवाल उठते हैं। कई बात तो यह भी लगने लगता है कि क्या कार्यपालिका और न्यायपालिका में टकराव जैसा तो कुछ नहीं? अक्सर अदालती फैसले नसीहत से ज्यादा थोपे हुए से भी लगने लगते हैं और कई बार जनसमर्थन जुटाने जैसे भी। लेकिन लोकतंत्र का बड़प्पन देखिए हमेशा न्यायतंत्र को सर्वोपरि माना और कई बार न्यायपालिका के विरोधाभास के बाद भी पर्याप्त सम्मान दिया। सही है कि लिखित संविधान से मिली ताकत से ही लोकतंत्र, कार्यपालिका, विधायिका और न्यायापालिका की जड़ें मजबूत हुई हैं। लेकिन इसका मतलब यह कतई नहीं कि कोई किसी के अधिकार क्षेत्र का अतिलंघन करे। बस इस पर सभी पक्षों को बिना किसी पूर्वाग्रह के सोचना ही होगा। स्वतंत्रता के बाद दिनों दिन मजबूत और परिपक्व हो रहे लोकतंत्र के प्रति लोगों की बढ़ती समझ से ही दुनिया में भारत का मान बहुत बढ़ा है जिसके पीछे मजबूत लोकतंत्र के पहरुए के रूप में मिला सक्षम नेतृत्व होता है। भारत ने शनैः-शनैः यह मुकाम न केवल हासिल किया बल्कि विश्व मंच पर बेहद मजबूत भी हुआ है। मूल में देखें तो बढ़ती जनजागृति, वह चेतना है जो संविधान से मिली और कहीं न कहीं देश, संविधान, लोकतंत्र और केन्द्र व राज्य सरकारें भी हैं जो वैचारिक और राजनैतिक विरोधाभासों के बावजूद भारत के लिए एक, दूसरे के पूरक थे, हैं और रहेंगे।

यह विचारणीय है कि हम स्वतंत्रता को कितना समझ पाए हैं, आत्मसात कर पाएँ हैं? आखिर क्यों युवाओं में इस पर वो चेतना या जागरूकता नहीं दिखती जो हमारी पुरानी पीढ़ियों में थी? क्या हमारे ज्यादातर रहनुमा इस मामले में स्वार्थी हैं जो चुनाव लड़ने, जीतने और राजनीति तक ही सीमित हैं! कहने को तो हम अमृत महोत्सव मना रहे हैं। लेकिन यह भूल जाते हैं कि उस विष को भी तो गटकना होगा जो संप्रदायवाद, धर्म, जाँत-पाँत की आड़ में देश को कमजोर करता है। हमें गंभीरता से सोचना होगा ताकि लोकतंत्र और स्वतंत्रता की अक्षुणता पर कोई आँख तक न उठा सके। इसके लिए युवाओं को विशेष रूप से जागृत करना होगा जिसे एक मिशन के रूप में लेना ही होगा।

मुझे आज अनायास ही 2016 में 67 वें गणतंत्र की पूर्व संध्या पर तत्कालीन राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी का राष्ट्र के नाम दिया संदेश याद आ रहा है जिसमें उन्होंने बहुत ही ओजपूर्ण और प्रेरक शब्दों के साथ 65 फीसदी युवाओं में नई ऊर्जा भरने का काम किया। अपने संदेश का समापन जिन शब्दों में किया उससे बेहतर शायद हो भी नहीं सकता था। उन्होने कहा ह्यपीढ़ी परिवर्तन हो चुका है, युवा बागडोर संभालने के लिए आगे आ चुके हैं।ह्व रवीन्द्र नाथ टैगोर की दो पंक्तियों को उध्दत किया जिसके मायने ह्यआगे बढ़ो, नगाड़ों के स्वर तुम्हारे विजयी प्रयाण की घोषणा करते हैं, शान के साथ कदमों से अपना पथ बनाएं। देर मत करो एक नया युग आरंभ हो रहा है।ह्व निश्चित रूप से प्रणव दा के उद्बोधन में बड़ी आस दिखी, दिखे भी क्यों न, तेजी से बदलते इस युग में भारत में भी छिटपुट घटनाओं को छोड़ जो सकारात्मक परिवर्तन दिख रहा है, बस उसे ही आगे बढ़ाने की जरूरत है। ऐसा हुआ तो वो दिन दूर नहीं जब भारत एक बार फिर सोने की चिड़िया तो कहलाएगा ही उससे भी ज्यादा एक मजबूत संविधान, सशक्त लोकतंत्र की समझ वाले नागरिकों का दुनिया का वह सिरमौर भी कहलाएगा जो दुनिया को राह दिखाने के लिए सक्षम है, आतुर है।

26 जनवरी,गणतंत्र दिवस के अवसर पर आइए, राष्ट्राभिमान जागृत करनेवाली कृति करके गणतंत्र दिवस को वास्तविक अर्थों में मनाएं !

परिचय - आज हमारा देश अनेक समस्याओं से जूझ रहा है। आज तक, पड़ोसी देशों से उत्पन्न खतरे, भ्रष्टाचार, आतंकवाद और पिछले दो वर्षों से देश को त्रस्त कर रही कोरोना महामारी इन सभी समस्याओं का सभी भारतीयों को सामना करना पड़ रहा हैं। देश में भ्रष्टाचार चरम सीमा पर पहुंच गया है। देश की सीमाएं भी सुरक्षित नहीं हैं। भविष्य में भी देश ऐसे ही चलता रहा तो हमारा अस्तित्व ही खतरे में पड़ जाएगा। इसके लिए हमें, इस देश के भावी नागरिक के रूप में, इन सब पर गम्भीरता से विचार करना होगा और कोई समाधान निकालना होगा, तभी कल का भारत आदर्श और समृद्ध होगा। गणतंत्र दिवस मनाते समय हमें इन सभी मुद्दों पर चिंतन करना चाहिए। इसका मुख्य कारण बहुसंख्यकों में राष्ट्राभिमान की कमी है। राष्ट्राभिमान और राष्ट्रभक्ति को जगाने वाली कृति करने से ही सच्चे अर्थों में एक आदर्श गणतंत्र के रूप में मनाए जाने की खुशी होगी और देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले असंख्य क्रांतिकारियों के ऋण से मुक्ति मिलने हेतु प्रयास होगा । स्वतंत्र भारत के प्रत्येक नागरिक को आज से नहीं परंतु अभी से यह निश्चय करना चाहिए कि मेरी प्रत्येक कृति से मुझमें और दूसरों में राष्ट्राभिमान जागृत हो। आज राष्ट्रीय पर्व के अवसर पर आइए हम इस सुनहरे अवसर का लाभ उठाकर अपनी देशभक्ति को बढ़ाएं, यही ईश्वर के चरणों में प्रार्थना ।

राष्ट्रीय ध्वज की रक्षा के लिए आवश्यक कृत्य - राष्ट्रीय पहचान के प्रतीक तिरंगे झंडे को राष्ट्रीय पर्व और अन्य अवसरों पर सम्मानपूर्वक फहराया जाता है। परंतु, इसके उपरांत हम सड़कों पर बिखरे कागज या प्लास्टिक के राष्ट्रीय झंडे भी देखते हैं, कुछ गटर में गिर जाते हैं, कुछ को पैरों के नीचे रौंद दिए जाता है। यह राष्ट्रीय प्रतीकों का अपमान है। राष्ट्रीय ध्वज को अधिक ऊंचाई पर फहराना चाहिए। जब राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाता है और उसे वंदन कर के राष्ट्रीय पर्व के इस दिन पर राष्ट्रगान गाया जाता है, तो हमें इस स्वतंत्र राष्ट्र के नागरिक होने पर गर्व होता है और जब हम अगले दिन सड़क पर ऐसे कागज के झंडे को पड़े हुए देखते हैं तो हमें कुछ भी नहीं लगता ? इस तरह की कृति को रोकने के लिए कागज और प्लास्टिक के झंडे का उपयोग नहीं किया जाना चाहिए। राष्ट्रध्वज दुपहिया, चौपहिया, कपड़े तथा चेहरे पर नहीं लगाने चाहिए। वर्तमान में कुछ लोग राष्ट्रीय ध्वज को अपने चेहरे पर रंगते हैं, कुछ राष्ट्रीय ध्वज के रंगों वाले कपड़े पहनते हैं और कुछ लोग राष्ट्रध्वज के रंगों का केक काटते हैं। ऐसे करना अर्थात राष्ट्रीय प्रतीकों का अनादर करना । राष्ट्रीय उत्सव के दौरान इस तरह के

अनुचित कार्य हो रहे हैं, तो इसे रोकने के लिए उचित कदम उठाना राष्ट्राभिमान है। इस प्रकार के अनुचित कार्य ना हो इसलिए जागरूकता निर्माण करना हम सभी का राष्ट्रीय कर्तव्य है ।

कुछ वेबसाइटों या अन्य देशों में हमारे देश का नक्शा गलत पाया जाता है। इसमें कश्मीर, अरुणाचल प्रदेश, भारत के कुछ हिस्सों को दूसरे देशों में दिखाया गया है। तो इसका अर्थ है कि वे भाग हमारे देश में नहीं हैं, इसलिए हम सभी को इस संबंध में सतर्क रहना चाहिए। यदि ऐसा पाया जाता है, तो इसे तुरंत संबंधित अधिकारी के संज्ञान में लाया जाना चाहिए। इससे हमारे राष्ट्र के प्रति हमारा प्रेम भी बढ़ेगा।

राष्ट्रभक्ति को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक कदम - राष्ट्रीय ध्वज राष्ट्र की पहचान है, जिसे अधिकतर भारतीयों द्वारा 15 अगस्त और 26 जनवरी के राष्ट्रीय पर्व के दिनों में ही याद किया जाता है। अब केवल 26 जनवरी और 15 अगस्त के दिन ही राष्ट्राभिमान को जगाने के लिए झंडा फहराना, भाषण देना और देशभक्ति के गीत गाए जा रहे हैं, परंतु यहीं पर न रुक कर देश के विकास में हर दिन अपना योगदान देने की आवश्यकता है तथा इस पर विचार करने की भी आवश्यकता है।

गणतंत्र दिवस राष्ट्रीय कर्तव्यों के प्रति जागरूकता का राष्ट्रीय पर्व है। राष्ट्रीय ध्वज, राष्ट्रगान, राष्ट्र का नक्शा (अर्थात मानबिन्दु) हमारे राष्ट्रीय प्रतीक हैं। उनका सम्मान करना हमारा राष्ट्रीय कर्तव्य है। कई जगहों पर हम राष्ट्रीय ध्वज, राष्ट्रगान अथवा हमारे राष्ट्र के मानचित्र का अपमान होते हुए देखते हैं। हमारे राष्ट्रीय प्रतीकों का सम्मान करना और उन्हें कहीं भी अपमानित होने से रोकना भी हमारी देशभक्ति ही है।

ध्वज संहिता के बारे में जागरूकता निर्माण होनी चाहिए - नागरिकों को ध्वज संहिता के बारे में पता होना चाहिए कि राष्ट्रचिन्हों, प्रतीकों का उपयोग कैसे किया जाता है। राष्ट्रीय ध्वज का उपयोग इस संहिता के अनुसार होना आवश्यक है। यदि ऐसा करने में गलती की जाती है तो यह दंडनीय अपराध है। इसके प्रति जागरूक होना जरूरी है। हम सभी का यह कर्तव्य है कि संहिता को ध्यान में रखते हुए उचित कृति करें।

निम्नलिखित कार्य करने से निश्चित रूप से राष्ट्राभिमान को जगाने में सहायता होगी।-

1. ध्वज अपमान को रोकना
2. क्रांतिकारियों के चरित्रों का अध्ययन और उनके मूल्यों को व्यवहार में लाना
3. देशभक्ति गीतों का पाठ और समूहों में गायन
4. विद्यालय में संपूर्ण वंदे मातरम कहने के लिए प्रेरित करना
5. राष्ट्रगान का अपमान हो रहा है तो इसे रोकें
6. क्रांतिकारियों के जीवन पर आधारित सेमिनार तथा चर्चा सत्र का आयोजन
7. प्रतिज्ञा के अनुसार आचरण करना
8. क्रांतिकारियों और देशभक्तों के चित्रों की प्रदर्शनियों का आयोजन
9. स्वतंत्रता दिवस अथवा गणतंत्र दिवस पर राष्ट्रीय ध्वज के होने वाले अपमान को रोकना प्रत्येक भारतीय नागरिकों द्वारा राष्ट्राभिमान रख कर उपरोक्त कृति का आचरण कर के अन्यों को कृति के लिए प्रवृत्त करना, यही खरा गणतंत्र है । गणतंत्र दिवस के अवसर पर हम सभी ऐसा संकल्प लेंगे ।

"देशभक्ति पलने लगी, मन में है अनुराग

गणतंत्र दिवस भारत के तीन राष्ट्रीय पर्वों में से एक है। यही कारण है कि इसे हर जाति तथा संप्रदाय द्वारा काफी सम्मान और उत्साह के साथ मनाया जाता है। 26 जनवरी के दिन मनाये जाने वाले गणतंत्र दिवस के पर्व पर पूरे देश भर में परेड तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम जैसे कई कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। इसलिए यह काफी आवश्यक है कि इस विशेष दिन को हम उचित सम्मान दें और इसे साथ मिलकर मनायें, ताकि हमारे देश की यह एकता और अखंडता इसी प्रकार से बनी रहे । इसके अलावा इस दिन का एक और इतिहास भी है, जोकि काफी रोचक है। इसकी शुरूआत 31दिसंबर 1929 में लाहौर में पंडित नेहरु की अध्यक्षता में संपन्न हुई भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अधिवेशन से हुई थी, जिसमें कांग्रेस द्वारा इस बात की घोषणा की गई की यदि 26 जनवरी 1930 तक भारत को स्वायत्त शासन (डोमीनियन स्टेटस) नहीं प्रदान किया गया तो इसके बाद भारत अपने आप को पूर्णतः स्वतंत्र घोषित कर देगा, लेकिन जब यह दिन आया और अंग्रेजी सरकार द्वारा इस मुद्दे पर कोई जवाब नही दिया गया तो कांग्रेस ने उस दिन से पूर्ण स्वतंत्रता प्राप्ति के लक्ष्य से अपना सक्रिय आंदोलन आरंभ कर दिया। यही कारण है कि जब हमारा भारत देश आजाद हुआ तो 26 जनवरी के दिन को संविधान स्थापना के लिए चुना गया।

गणतंत्र दिवस कोई साधरण दिन नही है, यह वह दिन है जब हमारे भारत देश को पूर्ण रूप से स्वतंत्रता (सम्प्रभुता) की प्राप्ति हुई क्योंकि भले ही भारत 15 अगस्त 1947 को स्वतंत्र हो गया था, लेकिन यह पूर्ण रुप से स्वतंत्र तब हुआ जब 26 जनवरी 1950 के दिन ह्यभारत सरकार अधिनियमह्ल को हटाकर भारत के नवनिर्मित संविधान को लागू किया गया। इसलिए उस दिन से 26 जनवरी के दिन को भारत में गणतंत्र दिवस के रूप में मनाया जाने लगा। यह भारत के तीन राष्ट्रीय पर्वों में से एक है इसके अलावा अन्य दो गांधी जयंती और स्वतंत्रता दिवस हैं।

इस दिन का सबसे भव्य आयोजन नई दिल्ली के राजपथ में होता है, जहां कई तरह की झांकियां और परेड निकाले जाते हैं। गणतंत्र दिवस का यह दिन एक ऐसा दिन होता है, जो हमें हमारे देश के संविधान का महत्व समझाता है ।यही कारण है कि इस दिन को पूरे देश भर में इतनी धूम-धाम से मनाया जाता है।

26 जनवरी 1930 में पूर्ण स्वराज का कार्यक्रम मनाया गया ,और अंग्रेजी हुकूमत से पूर्ण आजादी की प्राप्ति का प्रण लिया गया था।भारत के पहले गणतंत्र दिवस समारोह के मुख्य अतिथि इंडोनेशिया के राष्ट्रपति सुकर्णो थे।गणतंत्र दिवस समारोह का राजपथ में पहली बार आयोजन वर्ष 1955 में किया गया था।भारतीय गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान भारत के राष्ट्रपति को 31 तोपों की सलामी दी जाती है।इसके साथ ही गणतंत्र दिवस के दिन किसी विशेष विदेशी अतिथि को आमंत्रित करने की भी प्रथा रही है, कई बार इसके अंतर्गत एक से अधिक अतिथियों को भी आमंत्रित किया जाता है। इस दिन सर्वप्रथम भारत के राष्ट्रपति द्वारा तिरंगा फहराया जाता है और इसके बाद वहां मौजूद सभी लोग सामूहिक रूप से खड़े होकर राष्ट्रगान गाते हैं।

इसके पश्चात कई तरह की सांस्कृतिक और पारंपरिक झांकिया निकाली जाती हैं, जो कि देखने में काफी मनमोहक होती हैं। इसके साथ ही इस दिन का सबसे विशेष कार्यक्रम परेड का होता है, जिसे देखने के लिए लोगों में काफी उत्साह होता है। इस परेड का आरंभ प्रधानमंत्री द्वारा राजपथ पर स्थित अमर जवान ज्योति पर पुष्प डालने के पश्चात होता है। इसमें भारतीय सेना के विभिन्न रेजीमेंट, वायुसेना तथा नौसेना द्वारा हिस्सा लिया जाता है।

यह वह कार्यक्रम होता है, जिसके द्वारा भारत अपने सामरिक तथा कूटनीतिक शक्ति का भी प्रदर्शन करता है और विश्व को यह संदेश देता है कि हम अपने रक्षा में सक्षम है। 2018 के गणतंत्र दिवस समारोह में एक साथ कई सारे मुख्य अतिथियों को आमंत्रित किया गया था। इस कार्यक्रम सभी आसियान देशों के के प्रमुखों को आमंत्रित किया गया था। गणतंत्र दिवस समारोह का यह कार्यक्रम भारत की विदेश नीति५८ के लिए भी काफी महत्वपूर्ण है क्योंकि इस कार्यक्रम में आमंत्रित किये गये विभिन्न देशों के मुख्य अतिथियों के आगमन से भारत को इन देशों से संबंधों को बढ़ाने का मौका मिलता है।

यह वह दिन है जो हमें हमारे गणतंत्र के महत्व का अहसास कराता है। यही कारण है कि इसे पूरे देश भर में इतने जोश तथा उत्साह के साथ मनाया जाता है। इसके साथ ही यह वह दिन भी है जब भारत अपने सामरिक शक्ति का प्रदर्शन करता है, जो कि किसी को आतंकित करने के लिए नही अपितु इस बात का संदेश देने के लिए होता है कि हम अपनी रक्षा करने में सक्षम हैं। 26 जनवरी के यह दिन हमारे देश के लिए एक ऐतिहासिक पर्व है, इसीलिए हमें पूरे जोश तथा सम्मान के साथ इस पर्व को मनाना चाहिए।हम सबको देशभक्ति तथा कर्तव्यपरायणता की न केवल शपथ लेनी चाहिए,बल्कि अपने को सच्चा नागरिक बनाने का प्रण भी लेना चाहिए।

"भारत का गणतंत्र है,सचमुच बहुत महान।

तीन रंग का कर रहा,जो हरदम गुणगान।।"

जिम है जरूरी पर बरतें सावधानियां

शीत ऋतु में भी जिम में व्यायाम करने जरूर जाएं, पर मौसम के अनुसार इस संबंध में थोड़ी सावधानी भी बरतें, ताकि आपका जिम जाना जारी रह सके और आप रहें फिट। इस मौसम में जिम जाने में क्या-क्या सावधानी बरतें

सर्दियों का मौसम जोर पकड़ रहा है। ऐसे मौसम में आमतौर पर शरीर में आलस्य बढ़ने लगता है। इससे कई बार हम व्यायाम के प्रति लापरवाह भी होने लगते हैं, जबकि इस मौसम में जिम में व्यायाम करना अधिक आवश्यक हो जाता है। इस मौसम में पसीना कम आता है, हम फूडी भी ज्यादा हो जाते हैं, भूख बढ़ जाती है। यही नहीं हमारी मूवमेंट पर भी फर्क पड़ता है। इन सभी से वजन भी बढ़ने लगता है। ऐसे में जिम जाने वालों के लिए उसे नजरअंदाज करना या पूरी तरह से बंद करना उचित नहीं। हां, यह और बात है कि कुछ बातों का ध्यान रख कर जिम में व्यायाम के समय वर्तमान जलवायु के दुष्प्रभावों से बचते हुए उसे नियमित रखा जा सकता है।

यह कितना जरूरी है

इवोल्युशन फिटनेस जिम के ओनर और फिटनेस ट्रेनर मंजीत सोलंकी बताते हैं कि कुछ लोग सर्दियां शुरू होने पर जिम में व्यायाम करना बंद कर देते हैं और जब सर्दियां खत्म होने लगती हैं, तब फिर से वर्कआउट शुरू कर देते हैं। अगर आप जिम जाते रहे हैं तो वर्कआउट पूरी तरह बंद करना बिल्कुल सही नहीं। सर्दियों में भी जिम में वर्कआउट नियमित रूप से करना चाहिए। अगर आप ज्यादा जिम नहीं जा पा रहे हैं तो भी हफ्ते में कम से कम चार दिन और करीब डेढ़ घंटे जिम में व्यायाम नियमित तौर पर करें।

अनिवार्य है व्यायाम

सर्द मौसम में कैलोरी बढ़ने लगती है और हम फैटी होने लगते हैं, इसलिए हमें अपने व्यायाम में रनिंग, वेट ट्रेनिंग और कार्डिओ शामिल रहना चाहिए। खासकर कार्डिओ व्यायाम तो ज्यादा से ज्यादा करने चाहिए। रनिंग के लिए ध्यान रखना चाहिए कि शीत ऋतु में सुबह-सुबह खुले इलाके जैसे पार्क आदि में रनिंग न करें, क्योंकि बाहर के तापमान का शरीर पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है। यही नहीं, दिनचर्या में भी चलने-फिरने और घूमने वाली गतिविधियां शामिल होनी चाहिए।

पहनावे के प्रति सावधानी

हम आकर्षक दिखने के लिए पार्टी आदि में तो पहनावे के प्रति सजग रहते हैं, लेकिन व्यायाम के समय नहीं। खासकर आजकल के मौसम में व्यायाम के लिए भी हमें पहनावे का ध्यान रखना चाहिए। वर्कआउट के समय हमारा शरीर गर्म हो जाता है, इसलिए उस दौरान या उससे पहले और बाद में हमारी क्लोथिंग उचित होनी चाहिए। बकौल फिटनेस ट्रेनर मंजीत सोलंकी, जिम में व्यायाम के लिए जाते समय इनलाइन से आउटलाइन तक हमें अपने कपड़ों पर ध्यान देना चाहिए। प्रोपर कपड़े पहनने चाहिए, जिससे आपको व्यायाम करने में सहूलियत हो और तापमान की वजह से शरीर को भी परेशानी न हो। यह मौसम सिर पर सबसे जयादा प्रभाव डालता है, इसलिए जिम आते-जाते समय सिर अच्छी तरह से ढका होना चाहिए। इसके लिए विंटर कैप का इस्तेमाल करें। इससे आप सर्दियों में होने वाली बीमारियां जैसे खांसी, जुकाम, सिर दर्द, नाक व कान दर्द आदि की परेशानियों से बच सकेंगे। अक्सर लोग कार खुले में खड़ी करके उसी में जैकेट, कोट आदि छोड़ कर जिम जाते हैं और जिम में व्यायाम करने के बाद ठंड में बाहर निकलकर अपने व्हीकल तक पहुंचने के बाद जैकेट आदि पहनते हैं। इससे उनके सर्दियों संबंधी रोगों की चपेट में आने का खतरा रहता है। शरीर पर अन्य तरीकों से भी बुरा असर पड़ता है। इसलिए जिम में पहुंच कर ही जैकेट आदि उतारें और व्यायाम के बाद जिम से निकलने से पहले अपनी जैकेट, कैप आदि पहन कर ही बाहर निकलें।

जिम जाने का समय

इस मौसम में जिम जाने के लिए कोई निश्चित समय नहीं है। आप अपनी सहूलियत के अनुसार जिम जा सकते हैं। जरूरी है कि आपका शरीर रिलैक्स हो। खासकर सर्दियों में पूरा आराम करने के बाद ही वर्कआउट के लिए जाएं। अक्सर समय कम होने पर हम जिम में वर्कआउट के उपरांत तुरंत बाहर निकल जाते हैं। यह आपकी सेहत को काफी क्षति पहुंचाता है। हैवी वर्कआउट के बाद थोड़ी देर आराम करने के बाद ही जिम से बाहर जाएं।

आहार के प्रति सजग रहें

जब फिट रहने की बात हो तो खान-पान का जिक्र होना मुनासिब ही है। सर्दियों में अपने आहार में सूप अधिक शामिल करें। जिम में व्यायाम करने के बाद जूस पी सकते हैं तथा प्रोटीन से भरपूर डाइट लें। अमूमन सर्दियों में ठंडी चीजें जैसे आइसक्रीम, ठंडे पेय पदार्थ आदि के सेवन के लिए मना ही किया जाता है। ध्यान रखें कि जिम के तुरंत बाद ऐसे ठंडे पदार्थों का सेवन बिल्कुल न करें। जिम में व्यायाम करने के पश्चात आपके शरीर का तापमान काफी बढ़ा हुआ होता है, इसलिए करीब एक घंटे बाद ही ठंडी चीजों का सेवन करें। ऐसा नहीं करने से आपको गले संबंधी समस्या या नजले, जुकाम आदि की शिकायत हो सकती है।

मूंगफली हर मौसम में खास ठंड का टाइम पास

मूंगफली में सभी पौष्टिक तत्व पाए जाते हैं। भारत में इसे गरीबों का काजू के नाम से भी जाना जाता है। भारत में सिकी हुई मूंगफली खाना काफी प्रचलित है, इसे टाइम पास के नाम से भी जानते हैं। जो लोग टाइम पास के नाम पर मूंगफली का सेवन करते हैं, उनमें से अधिकतर इसके गुणों के बारे में नहीं जानते और अनजाने में ही कई पौष्टिक तत्व ग्रहण कर लेते हैं, जो उनके शरीर के लिए काफी फायदेमंद रहते हैं। मूंगफली में प्रोटीन, चिकनाई और शर्करा पाई जाती है। एक अंडे के मूल्य के बराबर मूंगफलियों में जितनी प्रोटीन व ऊष्मा होती है, उतनी दूध व अंडे से संयुक्त रूप में भी नहीं होती। इसकी प्रोटीन दूध से मिलती-जुलती है, चिकनाई घी से मिलती है। मूंगफली के खाने से दूध, बादाम और घी की पूर्ति हो जाती है। मूंगफली शरीर में गर्मी पैदा करती है, इसलिए सर्दी के मौसम में ज्यादा लाभदायक है। यह खांसी में उपयोगी है व मेदे और फेफड़े को बल देती है। भोजन के बाद यदि 50 या 100 ग्राम मूंगफली प्रतिदिन खाई जाए तो सेहत बनती है, भोजन पचता है, शरीर में खून की कमी पूरी होती है और मोटापा बढ़ता है। इसे भोजन के साथ सब्जी, खीर, खिचड़ी आदि में डालकर नित्य खाना चाहिए। मूंगफली में तेल का अंश होने से यह वायु की बीमारियों को भी नष्ट करती है। मुट्ठीभर भुनी मूंगफलियां निश्चय ही पोषक तत्वों की दृष्टि से लाभकारी हैं। मूंगफली में प्रोटीन, केलोरिज और विटामिन के, ई, तथा बी होते हैं, ये अच्छा पोषण प्रदान करते हैं। मूंगफली पाचन शक्ति को बढ़ाती है, रुचिकर होती है, लेकिन गरम प्रकृति के व्यक्तियों को हानिकारक भी है। मूंगफली ज्यादा खाने से पित्त बढ़ता है अतः सावधानी रखें।

अदरक सर्दियों में गुणकारी

अदरक व सौंठ हर मौसम में, हर घर के रसोई घर में प्रायः रहते ही हैं। इनका उपयोग घरेलू इलाज में किया जा सकता है।

- भोजन से पहले अदरक को चिप्स की तरह बारीक कतर लें। इन चिप्स पर पिसा काला नमक बुरक कर खूब चबा-चबाकर खा लें फिर भोजन करें। इससे अपच दूर होती है, पेट हलका रहता है और भूख खुलती है।
- अदरक का एक छोटा टुकड़ा छीले बिना (छिलके सहित) आग में गर्म करके छिलका उतार दें। इसे मुँह में रख कर आहिस्ता-आहिस्ता चबाते चूसते रहने से अन्दर जमा और रुका हुआ बलगम निकल जाता है और सर्दी-खाँसी ठीक हो जाती है।
- सौंठ को पानी के साथ घिसकर इसके लेप में थोड़ा सा पुराना गुड़ और 5-6 बूंद घी मिलाकर थोड़ा गर्म कर लें। बच्चे को लगने वाले दस्त इससे ठीक हो जाते हैं। ज्यादा दस्त लग रहें हों तो इसमें जायफल घिसकर मिला लें।

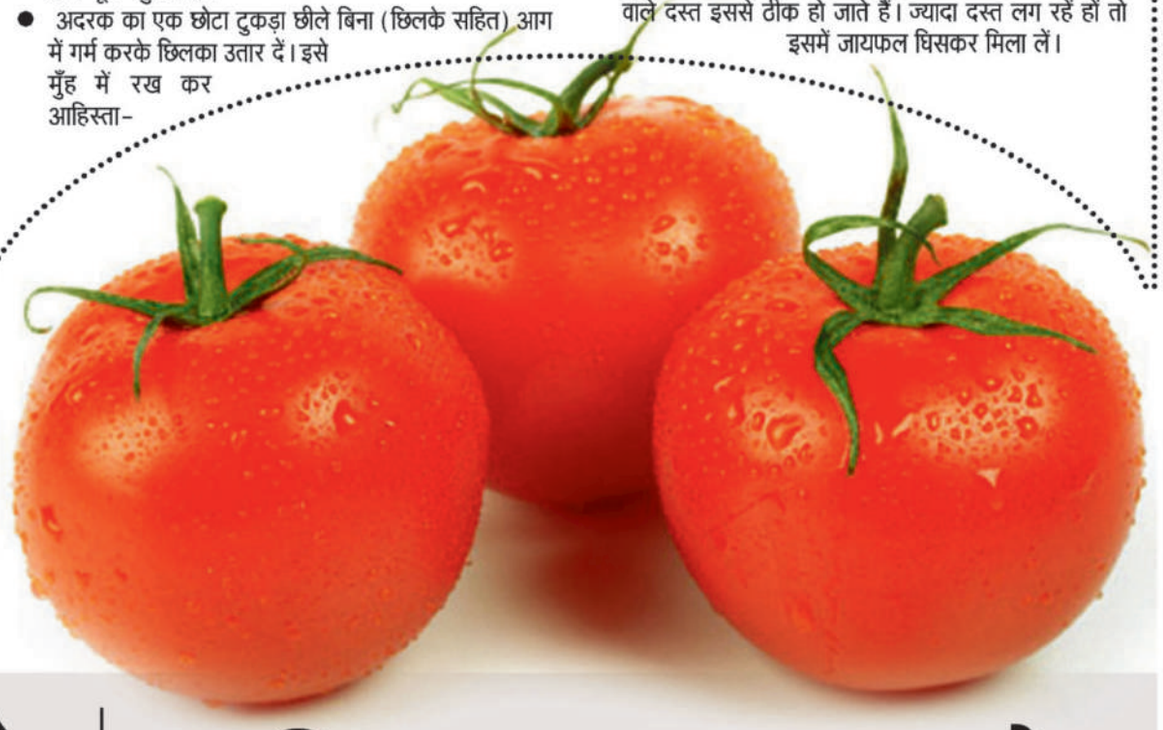

एंटीबायोटिक से नहीं रुकता जुकाम

ब्रिटेन के रॉयल कॉलेज ऑफ जनरल प्रैक्टिशनर्स और वहां के स्वास्थ्य विभाग द्वारा किए गए एक ताजा अध्ययन के अनुसार सर्दी-जुकाम के मामूली संक्रमण के लिए एंटीबायोटिक जरूरी नहीं है। रनिंग नोज या कफ वाली खांसी की समस्या वायरस की वजह से होती है, जो थोड़े समय बाद अपने आप ठीक हो जाती है। एंटीबायोटिक्स से व्यक्ति के शरीर में मौजूद अरबों बैक्टीरिया और वायरस की प्रतिरोधक क्षमता प्रभावित होती है। शोधकर्ताओं का कहना है कि एंटीबायोटिक्स के लगातार सेवन से जहां एक ओर शरीर में मौजूद फायदेमंद जीवाणु नष्ट हो जाते हैं, वहीं नुकसानदेह वायरस पर इन दवाओं का असर कम हो जाता है। क्योंकि ये वायरस एंटीबायोटिक्स के खिलाफ लड़ने के लिए अपनी प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बना लेते हैं।

हड्डियां मजबूत करता है टमाटर

लाल टमाटर को सलाद और सब्जी से लेकर फल की तरह भी खाने के उपयोग में लाया जाता है। पौष्टिक तत्वों से भरपूर यह फल आपकी ऑस्टियोपोरोसिस जैसे रोग से बचने में सहायता कर सकता है। एक नया अध्ययन भी इस बात की पुष्टि करता है कि टमाटर के ज्यूस का सेवन इस रोग से आपको दूर रख सकता है। इसका कारण है टमाटर में पाया जाने वाला एंटीऑक्सीडेंट केरेटोनॉइड लाइकोपेन जो टमाटर को लाल रंग भी देता है। इस तरह से मजबूत हड्डियों को पाने की राह में यह बेहद आसान और बनिस्बत सस्ता रास्ता है।

जलवायु परिवर्तन से सुनामी का खतरा

पर्थ (द कन्वरसेशन)। टोंगा और हंगा टोंगा-हंगा हपाई द्वीपों के आस-पास पानी के अंदर ज्वालामुखी फटने की घटना के कारण प्रशांत क्षेत्र के चारों ओर के देशों में सुनामी का प्रभाव दिखाई दिया है और पेरू में तो 21 समुद्र तटों पर तेल बिखरने की भयावह घटना सामने आई। टोंगा में सुनामी के कारण करीब दो मीटर ऊंची लहरें उठती देखी गई और इसके बाद समुद्र के स्तर को मापना मुश्किल हो गया। वही टोंगा टापू, एउआ और हपाई द्वीपों के पश्चिमी तटों पर15 मीटर तक ऊंची लहरें आई। ज्वालामुखी के फटने की घटनाएं कई सप्ताह या महीनों तक चल सकती हैं, लेकिन यह अनुमान लगाना कठिन है कि इस तरह का शक्तिशाली ज्वालामुखी विस्फोट अब कब होगा।

भूकंप के कारण अधिकतर सुनामी

अधिकतर सुनामी भूकंप के कारण आती हैं लेकिन करीब 15 प्रतिशत ऐसी आपदाओं के पीछे भूस्खलन या ज्वालामुखियों के फटने की घटनाएं जिम्मेदार होती हैं। इनमें से कुछ के कारण आपस में जुड़े भी हो सकते हैं। मसलन भूस्खलन के कारण आई सुनामी के पीछे भूकंप या ज्वालामुखीय गतिविधियां भी शामिल होती हैं। ग्लेशियरों के पिघलने और समुद्र स्तर के बढ़ने जैसे घटनाक्रम सामने आते हैं। हालांकि जलवायु परिवर्तन केवल वातावरण और समुद्र को प्रभावित नहीं करता, बल्कि पृथ्वी की सतह पर भी असर डालता है।

समुद्र स्तर का बढ़ना

अगर ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन की दर उच्च बनी रही तो औसत वैश्विक समुद्र स्तर 60 सेंटीमीटर से 1.1 मीटर के बीच बढने का पूर्वानुमान होता है। दुनिया के 50 लाख से अधिक आबादी के करीब दो तिहाई शहर इस जोखिम में हैं। समुद्र स्तर बढ़ने से तटीय क्षेत्रों में रहने वाली आबादी को न केवल तूफान के कारण आई बाढ़ का खतरा होता है बल्कि सुनामी का डर भी बना रहता है। समुद्र स्तर में मामूली बढ़ोतरी से बाढ़ आने का खतरा तेजी से बढ़ जाता है और ऐसे में सुनामी आ सकती है। उदाहरण के लिए 2018 के एक अध्ययन की बात करते हैं जिसके अनुसार समुद्र स्तर में केवल 50 सेंटीमीटर की वृद्धि से चीन के मकाऊ में सुनामी के कारण बाढ़ आने का खतरा दोगुना होने की आशंका व्यक्त की गई थी। इसका मतलब है कि भविष्य में छोटी सुनामी आपदाएं भी आज की बड़ी सुनामी जितना नुकसान पहुंचा सकती हैं।

भूस्खलन

तापमान में वैश्विक वृद्धि से पानी के अंदर और बाहर दोनों ही जगह भूस्खलन का खतरा बढ़ जाता है और इससे स्थानीय स्तर पर सुनामी आने का जोखिम बना रहता है। ऊंचे स्थानों पर जमी हुई मिट्टी की परत (पर्माफ्रोस्ट) के पिघलने से मिट्टी की स्थिरता कम हो जाती है और भूक्षरण तथा भूस्खलन का खतरा बढ़ जाता है। मूसलाधार बारिश से भी धरती के फटने जैसी घटनाएं सामने आती हैं।

हिमशैलों का टूटना

वैश्विक तापमान वृद्धि से हिमशैलों के पिघलने की दर बढ़ रही है। इसमें ग्लेशियर के बड़े हिस्से पिघलकर समुद्र तक पहुंच जाते हैं। अध्ययनों के अनुसार अंटार्कटिका में थ्वैट्स ग्लेशियर जैसे बड़े हिमखंडों के अगले पांच से दस साल में टूटकर पिघल जाने का अनुमान है। इसी तरह ग्रीनलैंड में बर्फ तेजी से पिघलती जा रही है। मौजूदा अनुसंधान में मुख्य रूप से समुद्र में पानी के स्तर के बढ़ने और ग्लेशियरों के पिघलने के संबंध पर जोर दिया गया है, लेकिन सुनामी का जोखिम भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। करीब 12,000 साल पहले जब अंतिम 'हिमयुग' समाप्त हुआ था तब बर्फ पिघलने से ज्वालामुखीय गतिविधियों में तेजी से इजाफा देखा गया। जलवायु परिवर्तन तथा और अधिक ज्वालामुखियों के फटने के बीच किसी तरह के संबंध को अभी व्यापक रूप में समझा नहीं जा सका है।

हीटर जाड़े में राहत पहुंचाने का काम भले ही करते हों, पर ये त्वचा के लिए नुकसानदायक भी होते हैं। इनके ज्यादा प्रयोग से त्वचा रूखी हो जाती है।

हीटर या वार्मर खतरनाक

हाल ही में एक रिसर्च से ही ये साबित हुआ है की रूम हीटर और ब्लोअर स्किन के लिए बेहद खतरनाक है इनके इस्तेमाल से स्किन सीधे तौर पर गरम हवा के कांटेक्ट में आ जाती है हीटर का साथ मिल जाए तो ऐसा महसूस होता है जैसे दुनिया भर की सारी सुविधाएं मिल गई हों हीटर या वार्मर से शारीरिक नुकसान की चिंता हो सकती है, हीटर शरीर से नमी सोखने का काम करते है, जो आगे चल कर काफी नुकसानदायक हो सकता है। यह शरीर में ऑक्सीजन भी घटाते है। आइए जानते हैं बदलते मौसम में कुछ सावधानियां अपनाकर कैसे करें खुद की सुरक्षा ...

आंखों में भी समस्या

ठंड का मौसम आखों में कई तरह की समस्याएं पैदा करता है। संक्रमित व्यक्ति की आंखों से निकलने वाले तरल पदार्थ के संपर्क में आने से जहां कोरोना संक्रमण की भी आशंका रहती है, वही आंखों की ड्राईनेस भी कई परेशानीयों की वजह बनती है। अब सर्दियां बढ़ेंगी और ठंड से बचने के लिए घरों में रुम हीटर व कार में वार्मर चलाया जाएगा । ये सर्दी से तो बचाएंगे पर आंखों के सेहत के लिए इसका प्रयोग ठीक नही । हीटर या वार्मर के सामने आने से गर्म हवा सीधी हमारी आंखों में आती है और यह ऑखों में ड्राइनेस का कारण बनती है। इसके कारण आंखों में खुजली ,जलन और लालिमा के साथ दर्द की परेशानी होती है। यदि कार का वार्मर चला रहे हैं तो चेहरा वार्मर के सामने ना रखें और रुम हीटर को तेज तापमान में लागातार ना चलाएं ।

झुर्रियां

हीटर जाड़े में राहत पहुंचाने का काम भले ही करते हों, पर ये त्वचा के लिए नुकसानदायक भी होते हैं। इनके ज्यादा प्रयोग से त्वचा रूखी हो जाती है। ये स्थिति आगे चल कर झुर्रियां बन जाती है और हमें अंदाजा भी नहीं मिलता कि इसका कारण हीटर हो सकता है। हीटर की हवा त्वचा की क्वालिटी खराब करके सोलग टिशूज को खराब कर देती है। ये टिशूज त्वचा के अंदर होते है और जिनके खराब होने से पिगमेंटेशन की दिक्कत का सामना करना पड़ सकता है।

बचाव

- कुछ बात का ध्यान रखने से स्किन को बचाया जा सकता है
- रूम हीटर का कम से कम इस्तेमाल करें, स्किन को अच्छे से क्लीन करें और मॉश्चुराइज करें
- रूम हीटर का इस्तेमाल करते है तो रूम में हवा का रास्ता बनाये रखें जिससे ऑक्सीजन की कमी न होने पाए और बर्तन में पानी भरकर रखते हीटर चलने पर जिससे रूम में नमी कम न होने पाये खूब पानी पिए नही तो डिहाइड्रेशन ही सकती है।

स्वास्थ्य समस्याएं

जिस कमरे में आप हीटर का इस्तेमाल कर रहे हैं वहां आक्सीजन का स्तर कम होने से सुस्ती, जी मिचलाना और सिरदर्द जैसी समस्याएं आ सकती हैं। इन हीटरों से ऐसे रसायन निकलते हैं, जो श्वसन तंत्र को नुकसान पहुंचाते हैं। रूम के अंदर कार्बन डाइऑक्साइड का स्तर बढ़ जाता है, व आपको घुटन हो सकती है। ऐसे रोगियों के फेफड़ों में बलगम जमा हो जाता है, जिसके कारण खांसी और छींक आती है।

बच्चों को बचाएं

शिशुओं के मस्तिष्क और अंगों को नुकसान पहुंचता है। कमरे में लगातार हीटर का इस्तेमाल बच्चों के लिए भी हानिकारक है।

अस्थमा

यह अस्थमा के रोगियों के लिए खतरा है जो और कई तरह के सांस के रोगों को जन्म देता है।

■ लक्ष्मी भारती

कंगना ने बताई साउथ फिल्मों, सुपरस्टार्स के हिट होने की वजह

मुंबई (आईएएनएस)। अभिनेत्री कंगना रनौत ने कुछ कारण बताए हैं कि क्यों दक्षिण कंटेंट और सुपरस्टार इतने लोकप्रिय है। अल्लू अर्जुन-स्टारर 'पुष्पाः द राइजिंग' को जोरदार प्रतिक्रिया मिलने के बाद, कंगना ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर दक्षिण कंटेंट की बढ़ती लोकप्रियता का कारण साझा किया। कंगना ने लिखा, कुछ कारणों से दक्षिण सामग्री और सुपरस्टार इतने हिट हैं, वे भारतीय संस्कृति में गहराई से निहित हैं, वे अपने परिवारों से प्यार करते हैं और रिश्ते पारंपरिक तरीके से निभाते हैं, उनका व्यावसायिकता और जुनून अद्वितीय है। कंगना ने कहा कि उन्हें बालीवुड को उन्हें भ्रष्ट करने की अनुमति नहीं देनी चाहिए।

अभिनेत्री फिलहाल अपने प्रोडक्शन वेंचर 'टिकू वेड्स शेरू' में व्यस्त हैं। कंगना अपनी अगली 'धाकड़' के लिए तैयार हैं, जो एक एक्शन थ्रिलर है, जो 8 अप्रैल, 2022 को रिलीज होने वाली थी। अब इसे बढ़ाकर मई 2022 तक के लिए टाल दिया गया है। उनके पास 'तेजस' भी है। फिल्म कंगना द्वारा निभाई गई एक साहसी महिला पायलट के इर्द-गिर्द घूमती है और यह इस बात पर आधारित है कि कैसे महिला पायलट हमारे देश को बाहरी ताकतों से सुरक्षित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। यह देश के वीर जवानों को श्रद्धांजलि है।

नानी की 'अंते सुंदरानिकी' की शूटिंग हुई पूरी

चेन्नई (आईएएनएस)। निर्देशक विवेक अथरेया की रोमांटिक-कॉमेड एंटरटेनर 'अंते सुंदरानिकी' की यूनिट, जिसमें नेचुरल स्टार नानी मुख्य भूमिका में हैं, उन्होंने फिल्म की शूटिंग पूरी कर ली है। नानी ने घोषणा करते हुए कहा कि साल की रोलर कोस्टर फिल्म 'अंते सुंदरानिकी' की शूटिंग पूरी हो गई है। उन्होंने सोशल मीडिया पर सेट के आखिरी दिन का एक छोटा वीडियो भी साझा किया। नए साल पर 'अंते सुंदरानिकी' का फर्स्ट लुक जारी किया गया था और नानी ने अपने असामान्य और मजाकिया लुक से प्रशंसकों को हैरान कर दिया था। नानी ने फिल्म में कस्तूरी पूर्ण वेंकट शेष साईं पवन राम सुंदरा प्रसाद नामक एक किरदार निभाया है। वहीं तेलुगु में अभिनेत्री नाजरिया नाजिम फहद की यह पहली फिल्म होगी। निकेथ बोम्मी फोटोग्राफी के निर्देशक हैं जबकि रवितेजा गिरिजाला फिल्म के संपादक हैं।

कोविड : 90 से अधिक ने बंद मंदिर के बाहर रचाई शादी

कडलूर (भाषा)। तमिलनाडु में कोविड-19 के बढ़ते मामलों के मद्देनजर लगाए गए लॉकडाउन में मंदिर बंद होने के कारण 23 जनवरी को 90 से अधिक जोड़ों ने यहां के एक शीर्ष वैष्णव मंदिर के बाहर शादी रचाई।

मंदिर के कार्यकारी अधिकारी ए. वीरबथिरन और पुजारी संघ के सचिव रथिना सबपति ने बताया कि रविवार को पुजारियों ने इस लोकप्रिय मंदिर के सामने सड़क पर कम से कम 91 शादियां करवाई। राज्य में कोविड-19 संबंधी प्रतिबंधों के कारण सभी धार्मिक स्थलों को शुक्रवार, शनिवार और रविवार को बंद रखने के आदेश दिए गए हैं। वीरबथिरन और सबपति ने बताया कि रविवार को एक शुभ मुहूर्त होने के कारण मंदिर के पास सड़क पर कुल 91 शादियां

कराई गईं। जिला मुख्यालय से करीब 12 किलोमीटर दूर स्थित इस छोटे से कस्बे के मंदिर में कुल 110 शादियों के लिए पंजीकरण कराए गए थे। विवाह कराने के लिए यह मंदिर राज्य में, खासकर कुड्डालोर और उसके आसपास के इलाकों में काफी लोकप्रिय है।

शादियों का आयोजन रविवार सुबह साढ़े चार बजे से 11 बजे के बीच 'मुहूर्तम' में किया गया। सुबह के समय को 'ब्रह्म मुहूर्तम' माना जाता है। अधिकारियों ने बताया कि मंदिर, भगवान विष्णु को समर्पित 108 'दिव्य देशम' में से एक है। इसके परिसर में एक हॉल है, जहां एक बार में 40 शादियां आयोजित की जा सकती हैं। मंदिर के खुले होने पर विवाह करने पर कोई रोक नहीं है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, तमिलनाडु में 23 जनवरी को कोविड-19 के 30,580 नए मामले सामने आए थे। राज्य में रात 10 से सुबह पांच बजे के बीच रात्रिकालीन कर्फ्यू भी लागू है।

'रथम' में नजर आएंगी महिमा, नंदिता और रेम्या

चेन्नई (आईएएनएस)। अभिनेत्री महिमा नांबियार, नंदिता स्वेता और रेम्या नाम्बीसन निर्देशक सी.एस. अमुधन की खोजी थ्रिलर 'रथम' में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी, जिसमें अभिनेता विजय एंटनी मुख्य भूमिका में होंगे। रविवार को, फिल्म के निर्माताओं ने फिल्म के शीर्षक को 'रथम' के रूप में घोषित किया था, जिसका अर्थ रक्त होता है। टीम ने ट्विटर के स्पेसेस पर प्रशंसकों के साथ बातचीत के दौरान कहा कि वे सोमवार को फिल्म में नायिकाओं के नामों की घोषणा करेंगे। टीम ने तीनों नायिकाओं के नामों का खुलासा किया है। टीम ने 1 फरवरी से 15 दिनों की अवधि के लिए कोलकाता में अपने दूसरे शेड्यूल को पूरा करने की योजना बनाई है।

शादी के बारे में पूछने पर सोनाक्षी का करारा जवाब

मुंबई (आईएएनएस)। सोशल मीडिया पर एक सवाल-जवाब सत्र के दौरान जब उनसे शादी के बंधन में बंधने के बारे में पूछा गया तो अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा ने इसका करारा जवाब दिया। सोनाक्षी ने अपने प्रशंसकों के साथ एक संवादात्मक सत्र आयोजित किया, जहां उन्होंने अपने प्रशंसकों से पूछा, इस सप्ताहांत तक आपको क्या मिला? वही एक यूजर ने उनसे पूछा, मैम सबकी शादी हो रही है, आप कब शादी करेंगी? जिस पर, सोनाक्षी ने करारा जवाब दिया, सभी

को भी कोविड हो रहा है? क्या मुझे भी होना चाहिए? सोनाक्षी को आखिरी बार अजय देवगन-स्टारर 'भुजः द प्राइड आफ इंडिया' में देखा गया था। फिल्म में संजय दत और नोरा फतेही भी हैं। अभिनेत्री 'फालन' के साथ अपनी वेब श्रृंखला की शुरूआत करने के लिए पूरी तरह तैयार है, जिसमें वह एक पुलिस वाले की भूमिका निभा रही हैं, साथ ही वह 'बुलबुल तरंग' में भी दिखाई देगी।

ऋतिक के साथ काम को लेकर उत्साहित हैं दीपिका

मुंबई(वार्ता)। बालीवुड अभिनेत्री दीपिका पादुकोण आने वाली फिल्म 'फाइटर' में ऋतिक रोशन के साथ काम को लेकर उत्साहित हैं। मार्फ्लिक्स पिश्चर्स के बैनर तले बन रही फिल्म 'फाइटर' का निर्देशन सिद्धार्थ आनंद कर रहे हैं। फाइटर भारत की पहली एरियल एक्शन फ्रैंचाइजी फिल्म है। इस फिल्म में ऋतिक रोशन, अनिल कपूर और दीपिका पादुकोण नजर आने वाली हैं। दीपिका फिल्म 'फाइटर' को लेकर काफी उत्साहित हैं। दीपिका पादुकोण ने कहा, मैं हमेशा से ऋतिक के साथ काम करना चाहती थी। लेकिन कभी-कभी ये किसी के साथ काम करने के बारे में नहीं होता है, मुझे लगता है कि किसी के साथ काम करने के लिए बहुत सी चीजें मैटर करती हैं। जिसमें सही स्क्रिप्ट होनी चाहिए, ये सही निर्देशक होना चाहिए। जो हमारा साथ काम करना तय करती है, हां तो मुझे लगता है कि ये हमारे लिए एक साथ काम करने का सही वक्त है। फिल्म फाइटर 30 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो सकती है।

भूमि स्टारर 'बधाई दो' का पोस्टर हुआ रिलीज

मुंबई (आईएएनएस)। अभिनेता राजकुमार राव और भूमि पेडनेकर की आगामी फिल्म 'बधाई दो' का टीजर पोस्टर सोमवार को जारी किया गया। टीजर पोस्टर में राजकुमार को दूल्हे के रूप में एक पुलिस वर्दी में और भूमि को एक पीटी शिक्षक पोशाक में दुल्हन के रूप में दिखाया गया है जो एक दूसरे के मुंह पर हाथ रखे हुए हैं। टीजर पोस्टर फिल्म के पारिवारिक मनोरंजन के विषय में उत्सुकता पैदा करता है। फिल्म का ट्रेलर मंगलवार को लान्च किया जाएगा। भूमि ने इंस्टाग्राम पर पोस्टर साझा किया और लिखा, अरे यार, अब तो ये सीक्रेट कल आउट हो जाएगा, क्यूकि कल आ रहा है हमारा ट्रेलर और हम आ

रहे हैं थिएटर्स में। हे भगवान, मैं बहुत उत्साहित हूं। जबकि राजकुमार ने कहा, कल आ रहा है हमारा ट्रेलर। कल बधाई देना, वैसे आज भी देना चाहो तो दे सकते हो। हैशटैग बधाई दो इन सिनेमा। अब इसे गुप्त नहीं रख सकते, बधाई दो ट्रेलर कल रिलीज हो रहा है। हर्षवर्धन कुलकर्णी द्वारा निर्देशित फिल्म, सिनेमाघरों में इस साल रिलीज होने वाली सबसे उत्सुकता से प्रतीक्षित पारिवारिक मनोरंजन में से एक है। जकुमार और भूमि के अलावा, पारिवारिक मनोरंजन में सीमा पाहवा, शीबा चड्ढा, लवलीन मिश्रा, नितीश पांडे, शशि भूषण जैसे अनुभवी कलाकारों की कलाकारों की टुकड़ी भी शामिल है, जो कहानी को आगे ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जंगली पिक्च र्स की बधाई दो को अक्षत घिल्डियाल और सुमन अधिकारी ने लिखा है।

'गुड लक सखी' का ट्रेलर हुआ रिलीज

चेन्नई (आईएएनएस)। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेत्री कीर्ति सुरेश की रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म 'गुड लक सखी' के निर्माताओं ने सोमवार को फिल्म का ट्रेलर जारी किया। नागेश कुकुनूर द्वारा निर्देशित महिला केंद्रित, स्पोर्ट्स फिल्म 28 जनवरी को स्क्रीन पर हिट होने वाली है। आदि पिनिसेटी ने फिल्म में पुरुष प्रधान भूमिका निभाई है, साथ ही जगपति बाबू एक महत्वपूर्ण भूमिका में दिखेंगे। ट्रेलर की शुरूआत जगपति बाबू के यह कहते हुए होती है कि वह निशानेबाजों को प्रशिक्षण देंगे जो देश को गौरवान्वित करेंगे। कीर्ति सुरेश को तब 'बैड लक' सखी के रूप में दिखाया जाता है उसके गांव में हर कोई मानता है कि वह उनके लिए दुर्भाग्य लाती है। गांववालों द्वारा इस कदम का विरोध करने के बावजूद, यह कहते हैं कि शूटिंग महिलाओं के लिए नहीं है, वह अपने नाम की सिफारिश जगपति बाबू से करती है। वह शुरू में विफल हो जाती है, लेकिन फिर जगपति बाबू उसे प्रेरित करते हैं। ये ट्रेलर प्रेरक सामग्री के साथ प्रभावशाली है। 'गुड लक सखी' तेलुगु, तमिल और मलयालम में एक साथ बनी बहुभाषी फिल्म है।

ने सलमान खान को छूने की मांगी थी परमिशन

मुंबई (वार्ता)। दक्षिण भारतीय अभिनेत्री प्रज्ञा जायसवाल का कहना है कि वह जब पहली बार सलमान खान से 'मैं चला' गाना की शूटिंग के दौरान मिली थी तब उन्होंने सलमान से उन्हें छूने की परमिशन मांगी थी। प्रज्ञा जायसवाल, सलमान खान के साथ अपने नए गाना 'मैं चला' को लेकर चर्चा में हैं। गाने में प्रज्ञा जायसवाल और सलमान की केमिस्ट्री खूब पसंद की जा रही है। प्रज्ञा जायसवाल ने इस गाने को शूट करने के अपने एक्सपीरियंस के बारे में बताया। प्रज्ञा ने बताया कि जब पहले दिन सेट पर वह सलमान से मिली थी तो सलमान से उन्हें छूने की परमिशन मांगी थी। प्रज्ञा ने बताया कि ऐसा उन्होंने इसलिए किया क्योंकि वह सलमान को नाराज नहीं करना चाहती थी। प्रज्ञा जायसवाल ने बताया, मैं गाने के शूट पर पहली बार सलमान खान सर से मिली थी। जाहिर है मैं नहीं जानती थी कि क्या स्वीकार्य है और क्या नहीं। जब आप किसी से पहली बार मिलते हैं और वह भी इंडिया के बड़े स्टार सलमान खान से तो आप श्योर होना चाहते हैं कि आप सबकुछ सही करें। आप गलती से भी ऐसा कुछ नहीं करना चाहते, जिससे वह नाराज हो जाएं या गुस्सा आ जाए। मैं बस पूरी तरह श्योर होना चाहती थी। इसलिए मैंने पहले दिन ही सलमान सर से पूछा, क्या मैं आपको छू सकती हूं? सलमान ने मुझसे कहा, कोई प्राब्लम नहीं, आप मुझे छू सकती हो। पहले दिन के बाद फिर मैं कंफर्टेबल हो गई।

उत्तर प्रदेश में एक लाख से नीचे आए एक्टिव केस, 24 घंटे में मिले 11583 नए संक्रमित

लखनऊ। प्रदेश में विधानसभा चुनाव में पहले चरण के मतदान से पहले कोरोना वायरस संक्रमण के तेजी से बढ़ते प्रसार में कमी आई है। प्रदेश में कोरोना वायरस संक्रमण की तीसरी लहर के एक्टिव केस एक लाख के नीचे आ गए हैं। प्रदेश में एक्टिव केस अब 86,563 हैं जो कि कभी एक लाख के ऊपर थे। उत्तर प्रदेश शासन ने मंगलवार को प्रदेश में कोरोना वायरस के आंकड़े जारी किए हैं। अब प्रदेश में कोरोना के 86563 एक्टिव केस हैं। प्रदेश में सोमवार को एक लाख 99,290 सैंपल की टेस्टिंग में 11,583 नए संक्रमित मिले हैं। इस दौरान 18,875 इसके संक्रमण से उबरे भी हैं। अब प्रदेश में कोरोना का पॉजिटिविटी रेट दो प्रतिशत हो गया है। इसके साथ ही रिकवरी रेट 94.40 प्रतिशत हो गया है। प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर एग्रेसिव ट्रेसिंग और टेस्टिंग के साथ त्वरित ट्रीटमेंट और तेज कोविड का टीकाकरण से इस संक्रमण का प्रसार धीरे-धीरे नियंत्रण में आ रहा है। प्रदेश में कुल एक्टिव केस की 86,563 हैं, इनमें भी 84,141 घर पर ही हैं। तीसरी लहर का असर पहले की दो लहर से कम है। इसी कारण लोगों को अस्पताल में जाने की जरूरत नहीं पड़ रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ताजा स्थिति की समीक्षा करते हुए कहा कि तीसरी लहर में संक्रमण दिनों-दिन कम होता जा रहा है। एक्टिव केस में गिरावट है तो नए केस में भी कमी हो रही है। बहुत कम संख्या में लोगों को अस्पताल की जरूरत पड़ रही है। यह संक्रमण वायरल फीवर की तरह है। अतः इससे डरने की आवश्यकता नहीं है, लेकिन सभी एहतियात अवश्य बरते जाएं।

पीपीई किट पहन नामांकन कराने पहुंचे 19 चुनाव लड़ चुके वैद्यराज किशन, सीएम योगी के खिलाफ भी ठोकेंगे ताल

बरेली। शहर विधानसभा से संयुक्त विकास पार्टी के प्रत्याशी के रूप में वैद्यराज किशन ने अपना नामांकन कराया। अब तक 19 चुनाव लड़ चुके किशन इस बार भी अलग अंदाज में पीपीई किट पहन कर नामांकन कराने पहुंचे। वह अपने साथ सैनिटाइजर व थर्मल स्कैनर भी ले गए थे। जिससे वहां मौजूद पुलिसकर्मियों की भी जांच की। किशन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ गोरखपुर के कैम्पियरगंज से भी चुनाव लड़ेंगे।

हर बार जब्त होती है जमानत: पेशे से फिल्मों के प्रचारक व वैद्य का काम करने वाले मुहल्ला हुंडाल खेल निवासी किशन अब तक नगर पालिका सदस्य, नगर पालिकाध्यक्ष, विधानसभा, लोकसभा तथा विधान परिषद सदस्य का चुनाव लड़ चुके हैं। किशन को लोग फिल्मों के प्रचारक के रूप में जानते थे। कई तरह की आवाज में प्रचार की वजह से उनकी अलग पहचान थी। अब उनकी पहचान सबसे ज्यादा चुनाव लड़ने वाले नेता के रूप में

होने लगी है। हर बार उनकी जमानत जब्त हुई। वह चुनाव जीत या हार के लिए नहीं बल्कि चर्चा में बने रहने के लिए लड़ते हैं। 48 साल से चुनाव लड़ रहे किशन इस बार जीवन का 19वां चुनाव लड़ेंगे।

1974 में पहली बार लड़ा चुनाव : किशन बताते है कि 1974 में उन्होंने नगर पालिका सदस्य का चुनाव लड़ा। 1995 में नगर पालिका अध्यक्ष के चुनाव में उन्होंने एक वोट एक नोट मांगा। तब 8000 वोट के साथ डेढ़ लाख रुपये मिले थे। उन्होंने राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए भी फीस जमा की थी, लेकिन प्रस्तावक नहीं मिलने के कारण चुनाव नहीं लड़ सके।

मुख्यमंत्री योगी बोले- पाकिस्तान को दुश्मन न मानने वाले समाजवादी नहीं 'तमंचावादी'

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को ट्वीट कर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर निशाना साधा है। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि जिन्हें पाकिस्तान दुश्मन नहीं लगता, जिन्ना दोस्त लगता है। उनकी शिक्षा-दीक्षा और दृष्टि पर क्या ही कहा जाए। वे स्वयं को समाजवादी कहते हैं, लेकिन सत्य यही है कि इनके नस-नस में 'तमंचावाद' दौड़ रहा है। जिन्हें पाकिस्तान दुश्मन नहीं लगता, जिन्ना दोस्त लगता है। उनकी शिक्षा-दीक्षा और दृष्टि पर क्या ही कहा जाए। वे स्वयं को समाजवादी कहते हैं, लेकिन सत्य यही है कि इनके नस-नस में 'तमंचावाद' दौड़ रहा है। यूपी चुनाव जैसे-जैसे परवान चढ़ रहा है। आरोप-प्रत्यारोप का दौर बढ़ता जा रहा है। सभी राजनीतिक दल खुद को 10 फरवरी को होने वाले मतदान में आगे बता रहे हैं। भाजपा का दावा है कि पार्टी इस बार फिर से 300 से ज्यादा सीटें जीतने में कामयाब रहेगी।

समस्त जनपद वासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
रोहित कुमार सिंह
क्षेत्रीय विपणन अधिकारी
अहरौरा मिर्जापुर
कैंप कार्यालय
रानीबाग
नरायनपुर मिर्जापुर

समस्त जनपद वासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

मेसर्स श्यामधर इंटरप्राइजेज
कंचनपुर अहरौरा मिर्जापुर
विकास सिंह
उर्फ सोनू सिंह
प्लांट प्रशासक
मैनेजर- रमेश कुमार

समस्त जनपद वासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

सनत कुमार सिंह
जिला वरिष्ठउपाध्यक्ष एवं अध्यक्ष, उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ, काशी विद्यापीठ, वाराणसी।

गणतंत्र दिवस की सभी क्षेत्रवासियों व समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

उर्मिला यादव
(प्रधानाध्यापक)
प्राथमिक विद्यालय
तरियारी विकास खंड
केराकत जौनपुर

सभी देशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई एवं ढ़ेर सारी शुभकामनाएं

श्री अनिल यादव
(मैनेजमेंट गुरु)
आचार्य बलदेव पी.जी कालेज कोपा पतरही जौनपुर एवं प्रदेश उपाध्यक्ष उत्तर प्रदेश स्ववित्तपोषित महाविद्यालय एसोसिएशन

समस्त जनपद वासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

गणपति स्टोन
सोनपुर अहरौरा
प्रो. शिवम चंद्र
प्रो. विक्की अग्रहरि
उच्च क्वालिटी के इमारती चिकनी पटिया के निर्माता एवं विक्रेता

समस्त जनपद वासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

शहजादे कुरैशी
(कोषाध्यक्ष)
भारतीय जनता पार्टी
अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ काशी प्रांत
निवास : मानिकपुर, बाईपास
अहरौरा मिर्जापुर

गणतंत्र दिवस की सभी ग्राम-वासियों क्षेत्र वासियों व समस्त देश वासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

अनुज हॉस्पिटल

डॉ. सुदर्शन कुमार
(एम.एस.)

गणतंत्र दिवस की सभी क्षेत्रवासियों व समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

कमलेश पाण्डेय
प्रबंधक एवं वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता लॉर्ड कृष्णा डिग्री कॉलेज एवं पोस्ट ग्रैजुएट कॉलेज भगतपुर पश्चिम फुलमनहा बृजमनगंज महाराजगंज।

मेदवेदेव और सितसिपास ने क्वॉर्टर फाइनल में जगह बनाई

ऑस्ट्रेलियन ओपनः डेनिल मेदवेदेव ने मैक्सिम क्रेसी को 6-2, 7-6, 6-7, 7-5 से हराया

मेलबर्न। दूसरी सीड रूस के डेनिल मेदवेदेव चौथी वरीयता प्राप्त यूनान के स्टेफानोस सितसिपास और कनाडा के फेलिक्स आगर एलियास्सिमे ने ऑस्ट्रेलियन ओपन 2022 के क्वॉर्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया।

उनके साथ एलिज कोर्नेट और डेनियल कोलिंस ने भी अंतिम आठ में जगह बना ली है। अमेरिकी ओपन चैम्पियन डेनिल मेदवेदेव ने मैक्सिम क्रेसी को 6-2, 7-6, 6-7, 7-5 से हराकर आस्ट्रेलियाई ओपन के क्वॉर्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। मेदवेदेव का सामना अब नौवीं वरीयता प्राप्त फेलिक्स आगर एलियास्सिमे से होगा जिसने 2014 अमेरिकी ओपन चैम्पियन मारिन सिलिच को 2- 6, 7-6, 6-2, 7-6 से मात दी। सितसिपास ने तीन घंटे 23 मिनट तक चले मुकाबले में 20वीं सीड अमेरिका के टेलर फ्रिट्ज को को 4-6,6-4, 4-6, 6-3, 6-4 से पराजित किया। सितसिपास का अंतिम आठ में मुकाबला युवा खिलाड़ी ऑस्ट्रेलिया के जानिक सिनर से होगा। जिन्होंने एलेक्स डि मिनौर को 7-6(3) 6-3 6-4 से पराजित किया। कोर्नेट ने 13 साल के लम्बे इन्तजार के बाद अपनी विपक्षी खिलाड़ी पूर्व नंबर एक रोमानिया की सिमोना हालेप को ढाई घंटे तक चले मुकाबले में 6-4, 3-6, 6-3 से हराकर पहली बार क्वॉर्टरफाइनल में जगह बनायी। कोलिंस ने लगभग तीन घंटे तक चले मुकाबले में बेल्जियम की एलिस मर्टेन्स को 4-6, 6-4, 6-4 से पराजित कर पहली बार अंतिम आठ में प्रवेश किया। फेलिक्स ग्रैंड स्लेम क्वार्टर फाइनल में प्रवेश करने वाले अकेले कनाडाई नहीं हैं। उनके हमवतन और दोस्त डेनिस शापोवालोव भी अंतिम आठ में पहुंच गए हैं। उनका सामना मंगलवार को 20 ग्रैंड स्लेम खिताब विजेता और दुनिया के छठे नंबर के खिलाड़ी स्पेन के राफेल नडाल से होगा। यह पहला मौका है जब दो कनाडाई पुरुष टेनिस टूर्नामेंट में क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने में सफल हुए है।

अमेरिका की डेनियेले कोलिंस भी अंतिम-8 में पहुंची

महिला वर्ग में अमेरिका की डेनियेले कोलिंस ने एक सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करते हुए 19वीं वरीयता प्राप्त एलिसे मर्टेंस को हराकर क्वॉर्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। उन्होंने यह मैच 4- 6, 6-4, 6-4 से जीता। इससे पहले तीसरे दौर में वलारा टाउसन के खिलाफ भी एक सेट गंवाने के बाद उन्होंने जीत दर्ज की थी। अगले दौर में उनका सामना दो बार की ग्रैंडस्लैम चैम्पियन सिमोना हालेप या फ्रांस की अनुभवी एलिजे कोर्नेत से होगा।

स्मृति मंधाना ने दूसरी बार जीता आईसीसी सर्वश्रेष्ठ महिला क्रिकेटर का पुरस्कार

टैमी ब्यूमोंट, लिजेले ली और गैबी लुईस को पीछे छोड़ा

दुबई। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने 2021 में सभी प्रारूपों में अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर आईसीसी वर्ष की सर्वश्रेष्ठ महिला क्रिकेटर का पुरस्कार जीत लिया है। मंधाना के अलावा इंग्लैंड की टैमी ब्यूमोंट, दक्षिण अफ्रीका की लिजेले ली और आयरलैंड की गैबी लुईस भी रशेल हेहो फ्लिंट ट्रॉफी के लिए नामित थी। इस बार आईसीसी अवॉर्ड में पाकिस्तान का दबदबा रहा। भारत के मंधाना अकेली खिलाड़ी हैं जिन्होंने अवॉर्ड जीता। पिछला साल कठिन रहने के बावजूद मंधाना ने मैदान पर अपने प्रदर्शन की छाप छोड़ी। मंधाना दूसरी बार इस पुरस्कार को हासिल करने में सफल रहीं। उन्होंने इससे पहले 2018 में यह पुरस्कार अपने नाम किया था।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीमित ओवरों की घरेलू सीरीज में भारत आठ मैचों में से दो ही जीत सका और दोनों में मंधाना ने सूत्रधार की भूमिका निभाई। दूसरे वनडे में उन्होंने नाबाद 80 रन बनाए और आखिरी टी20 में 48 रन की नाबाद पारी खेली। मंधाना ने पिछले साल 22 इंटरनेशनल मैचों में 38.86 की औसत से

कुल 855 रन बनाए थे जिसमें एक शतक और 5 अर्धशतक भी लगाए थे। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ ड्रॉ रहे एकमात्र टेस्ट में पहली पारी में 78 रन बनाए। वहीं वनडे सीरीज में भारत को मिली एकमात्र जीत में 49 रन जोड़े। टी20 श्रृंखला में उन्होंने 15 गेंद में 29 रन और एक अर्धशतक भी बनाया लेकिन भारत सीरीज 2-1 से हार गया। मंधाना ने पिंक बॉल टेस्ट में शतक जड़ा शतकऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज के दूसरे मैच में उन्होंने 86 रन बनाए। अपने कैरियर के एकमात्र टेस्ट में उन्होंने शतक जड़ा और प्लेयर ऑफ द मैच रहीं। उन्होंने आखिरी टी20 में अपने कैरियर का दूसरा टी20 अर्धशतक बनाया। मंधाना ने भारत के पहले दिन रात के टेस्ट में शतक जड़कर उसे यादगार बना दिया।

पाक के शाहीन अफरीदी बने आईसीसी पुरुष क्रिकेटर ऑफ द ईयर

पाकिस्तान के तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी को 2021 के लिए आईसीसी पुरुष क्रिकेटर ऑफ द ईयर के रूप में सम्मानित किया गया। 21 साल की उम्र में अफरीदी यह पुरस्कार पाने वाले सबसे कम उम्र के क्रिकेटर है और सम्मान पाने वाले पहले पाकिस्तानी खिलाड़ी भी हैं। यह आईसीसी पुरस्कारों के इस संस्करण में पाकिस्तानी खिलाड़ी द्वारा हासिल की गई चौथी व्यक्तिगत ट्रॉफी भी है। 2021 के दौरान खेल के तीनों प्रारूपों में कुछ बेहतरीन बल्लेबाजों को परेशान करते हुए पाकिस्तानी तेज गेंदबाज ने जबरदस्त प्रदर्शन किया। अफरीदी के लिए टेस्ट और टी20 के लिए एक बेहतरीन साल था। उन्होंने वर्ल्ड कप के छह मैचों में सात विकेट लिए। उन्होंने पूरे कैलेंडर वर्ष में खेल के सबसे छोटे प्रारूप पर राज किया, जिसमें 21 मैचों में 23 विकेट हासिल किए और उनकी डेथ गेंदबाजी में तेजी से सुधार हुआ।

पाकिस्तान के बाबर आजम आईसीसी पुरुष वनडे क्रिकेटर ऑफ द ईयर

पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम आईसीसी पुरुष वनडे क्रिकेटर ऑफ द ईयर 2021 चुने गए हैं। आजम ने 2021 में छह मैचों में 67.50 की औसत से 405 रन बनाए। आजम ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 2-1 से मिली जीत में 228 रन बनाए और दोनों मैचों में जीत में प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए। पहले वनडे में उन्होंने शतक लगाया और आखिरी वनडे में 82 गेंद में 94 रन की पारी खेली। इंग्लैंड के खिलाफ 0-3 से मिली हार में पाकिस्तान के लिए अकेले वही डटकर बल्लेबाजी करते रहे। उन्होंने तीन मैचों में 177 रन बनाए लेकिन दूसरे छोर से उन्हें सहयोग नहीं मिल सका। आखिरी वनडे में उन्होंने इमामुल हक के साथ 92 रन की साझेदारी की। उन्होंने पहले 50 रन 72 गेंद में और अगले 50 रन 32 गेंद में पूरे किए जो इस साल उनका दूसरा शतक था।

टेस्ट क्रिकेटर ऑफ द ईयर चुने गए जो रूट

आईसीसी ने इंग्लैंड के कप्तान जो रूट को बेस्ट टेस्ट क्रिकेटर ऑफ द ईयर 2021 अवॉर्ड के लिए चुना। इस पुरस्कार को पाने की रेस में जो रूट के अलावा न्यूजीलैंड के काइल जेमिसन, श्रीलंका के दिमुथ करुणारत्नने और भारत के रविचंद्रन अश्विन भी शामिल थे। रूट ने साल 2021 में टेस्ट में कमाल का प्रदर्शन किया। पिछले साल टेस्ट में रूट के बल्ले से 15 मैचों में 1708 रन निकले और इसमें छह शतक शामिल हैं। रूट पिछले साल किसी एक कलैंडर में टेस्ट में 1700 से ज्यादा रन बनाने वाले इतिहास में केवल तीसरे ही क्रिकेटर बने थे। रूट ने चेन्नई में भारत के खिलाफ चार मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मैच में 218 रन बनाए थे। जो रूट के लिए साल 2021 एक क्रिकेटर और बल्लेबाज के तौर पर शानदार गुजरा, लेकिन एक कप्तान के तौर पर उनको लगातार हार पर हार झेलनी पड़ीं।

वामिका की तस्वीर वायरल होने के बाद विरुष्का ने की अपील

कहा, हम इस बात की काफी सराहना करेंगे अगर वामिका की तस्वीर ना खींची जाए

मुंबई। क्रिकेटर विराट कोहली और उनकी पत्नी अभिनेत्री अनुष्का शर्मा ने सोमवार को अपनी बेटी वामिका की तस्वीरें इंटरनेट पर वायरल होने के बाद बयान जारी कर प्रशंसकों और मीडिया से अपनी बेटी की तस्वीरों को और अग्रसारित या साझा नहीं करने की अपील की है।

अनुष्का ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में कहा कि उन्हें नहीं पता था कि कैमरा का फोकस उनकी बेटी पर था। उन्होंने प्रशंसकों और मीडिया से अपनी बेटी की तस्वीरों को और साझा नहीं करने का अनुरोध किया।भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच रविवार को खेले गये तीसरे वनडे के दौरान अनुष्का शर्मा पर कैमरे का फोकस पड़ा, जो अपनी एक साल की बेटी को गोद में लिए हुए थी। यह पहली बार था, जब वामिका का चेहरा दुनिया के सामने आया। उसकी तस्वीर तुरंत सोशल मीडिया पर वायरल होने लगी।अनुष्का और वामिका को केप टाउन के न्यूलैंड्स में फाइनल मैच में कोहली के 64वें एकदिवसीय अर्धशतक के बाद तालियां बजाते और जश्न मनाते हुए देखा गया था। वहीं, विराट कोहली ने अपनी पोस्ट में कहा, हैलो साथियों, हमें पता चला कि हमारी बेटी की तस्वीर रविवार मैच के दौरान कैप्चर की गयी और उसे काफी शेयर भी किया गया। हम आप सब लोगों को यह बताना चाहते हैं कि उस वक्त हमें बिल्कुल भी पता नहीं था कि कैमरा हमारी ओर है। हमारी अपील आप सभी लोगों से वही है जो हमने पहले की थी। हम इस बात की काफी सराहना करेंगे, अगर वामिका की तस्वीर ना खींची जाए और ना ही

उसे प्रकाशित किया जाए। धन्यवाद। अनुष्का ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा, मामले पर हमारा रुख और अपील है कि अगर वामिका की तस्वीरें खींची / प्रकाशित/प्रसारित नहीं की जाती हैं, तो हम वास्तव में इसकी सराहना करेंगे। दोनों हस्तियों ने कई मौकों पर अपने प्रशंसकों और मीडिया से अपनी बेटी की तस्वीरें प्रकाशित नहीं करने का अनुरोध करते हुए कहा कि वे उसे मीडिया से दूर अपनी जिंदगी जीने का मौका देना चाहते हैं।

विदित गुजराती ने ग्रैंडेलियस को हराया

नई दिल्ली। भारतीय ग्रैंडमास्टर विदित संतोष गुजराती ने हार के बाद वापसी करते हुए टाटा स्टील मास्टर्स शतरंज के आठवें दौर में निल्स ग्रैंडेलियस को हराया जबकि आर प्रज्ञानानंदा को शखरियार मामेदियारोव ने मात दी । अजरबैजान के मामेदियारोव अब दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन के साथ शीर्ष पर पहुंच गए हैं । सोलह वर्ष के प्रज्ञानानंदा आठ दौर के बाद ढाई अंक ही बना सके हैं। गुजराती और नीदरलैंड के अनीश गिरी पांच अंक लेकर दूसरे स्थान पर हैं। दोनों कार्लसन और मामेदियारोव से आधा अंक पीछे हैं। कार्लसन ने सैम शैंकलैंड से ड्रॉ खेला।

सुपर ओवर में जीता जनसंपर्क

भोपाल। जनसंपर्क ने 27वें आईईएस डिजिआना इंटर प्रेस क्रिकेट टूर्नामेंट में रोमांचक जीत दर्ज की। उसने सुपर ओवर में डिजिआना को हराया। दिन के अन्य मैचों में स्वदेश ने राज एक्सप्रेस को 10 रनों से तो टाइम्स ऑफ इंडिया ने नवदुनिया को सात विकेट से हराया। ओल्ड कैपियन मैदान पर नवदुनिया ने 18 ओवर में 176 रन बनाए। इसमें प्रभात शुक्ला ने 83 और विक्रम अहिरवार ने 51 और हेमंत जोशी ने 21 रन बनाए। सत्यजीत पाटनकर और दुष्यंत ने एक-एक विकेट लिए। जवाब में टीओआई ने जरूरी रन आखिरी ओवर में तीन विकेट पर बना लिए। इसमें सत्यजीत पाटनकर ने 51, कप्तान रामेन्द्र सिंह ने 35 और सौरभ ने 31 रन बनाए। सत्यजीत मानसरोवर मैन ऑफ द मैच चुने गए। उन्हें हॉकी ओलंपियिन समीर दाद ने पुरस्कृत किया। दूसरे मैच में जनसंपर्क ने 116 रन बनाए। जवाब में डिजिआना ने भी निर्धारित ओवर में पांच विकेट पर 116 रन ही बनाए। फैसले के लिए सुपर ओवर का सहारा लिया गया, जिसमें जनसंपर्क ने 10 रनों के लक्ष्य को हासिल कर लिया।

लखनऊ सुपरजायंट्स के नाम से जानी जाएगी आईपीएल की लखनऊ फ्रैंचाइजी

लखनऊ। आईपीएल की लखनऊ फ्रैंचाइजी का नाम लखनऊ सुपरजायंट्स होगा। आरपी गोयनका समूह के स्वामित्व वाली टीम ने इस नाम का फैसला किया है। इससे पहले फ्रैंचाइजी ने सोशल मीडिया के जरिए अपने फैसले से नई टीम के नाम के लिए सुझाव मांगे थे। संजीव गोयनका ने टीम के नाम की घोषणा करते हुए कहा, हमें बहुत खुशी है कि लाखों लोगों ने टीम के नाम के लिए अपने सुझाव भेजें। यह टीम के प्रति उनके प्यार को दिखाता है। आप इस प्यार को भविष्य में भी बनाए रखें। आपके सुझावों के आधार पर ही हमने टीम का नाम लखनऊ सुपरजायंट्स रखा है। इस प्रक्रिया में भाग लेने के लिए मैं सबका शुक्रिया अदा करता हूं। अक्तूबर 2021 में आरपी गोयनका समूह ने इस फ्रैंचाइजी को रिकॉर्ड 7090 करोड़ रुपए में खरीदा था। पिछले सप्ताह ही फ्रैंचाइजी ने लोकेश राहुल को टीम का कप्तान नियुक्त किया था, जबकि मार्कस स्टॉयनिस और रवि विश्नोई दो अन्य मूल खिलाड़ी हैं। इन तीनों खिलाड़ियों को फ्रैंचाइजी ने क्रमशः 17, 9.2 और चार करोड़ में खरीदा।अब फरवरी में होने वाली बड़ी नीलामी के लिए टीम के पास 59 करोड़ रुपए का पर्स बचा हुआ है। यह नीलामी 12 और 13 फरवरी को बेंगलुरु में होगी।

भारत के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने कहा

वनडे टीम का संतुलन एक मसला, हार्दिक और जडेजा की कमी खली

केपटाउन। भारत के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने स्वीकार किया कि एक दिवसीय क्रिकेट टीम में संतुलन का अभाव है और छठे सातवें नंबर पर हार्दिक पंड्या और रविंद्र जडेजा जैसे हरफनमौला खिलाड़ियों की कमी खली। दक्षिण अफ्रीका ने तीन मैचों की वनडे श्रृंखला में भारत को 3-0 से हराया। इसके बाद द्रविड़ पर सवालों की बौछार होना लाजमी थी मसलन गेंदबाजी और बल्लेबाजी में बीच के ओवरों में खराब प्रदर्शन, केएल राहुल की कप्तानी और वेंकटेश अय्यर को शीर्ष क्रम में बल्लेबाजी के लिए नहीं उतारना वगैरह। द्रविड़ ने कहा, टीम की लय संतुलन पर निर्भर करती है। अगर ईमानदारी से देखें तो जो खिलाड़ी टीम को संतुलन देते हैं और छठे, सातवें, आठवें नंबर पर हरफनमौला के रूप में विकल्प प्रदान करते हैं, वे चयन के लिए उपलब्ध नहीं थे। द्रविड़ का इशारा हार्दिक पंड्या और जडेजा की

ओर था जो फिटनेस कारणों से बाहर है। उन्होंने कहा, जब वे वापसी करेंगे तो टीम को गहराई मिलेगी। इससे हमें अलग तरीके से खेलने की सहूलियत भी मिलेगी। के एल राहुल की कप्तानी के बारे में पूछने पर कोच ने कहा कि लोगों को समझना होगा कि वह उपलब्ध टीम से जो सर्वश्रेष्ठ कर सकता था, उसने किया। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि उसने अच्छा काम किया । हारने पर यह सब आसान नहीं होता लेकिन उसने अभी शुरुआत ही की है । वह समय के साथ सीखेगा और कप्तानी का मतलब अपने खिलाड़ियों से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कराना भी है।

भारत पर धीमे ओवर रेट के लिए जुर्माना

केपटाउन। भारत पर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 23 जनवरी को खेले गए तीसरे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में धीमे ओवर रेट के लिए मैच फीस का 40 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। आईसीसी एलीट पैनल के मैच रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट ने केएल राहुल की टीम को समय पर दो ओवर कम फेंकने के चलते यह फैसला सुनाया है। खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ के लिए आईसीसी की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के अनुसार, जो ओवर-रेट अपराधों से संबंधित है, खिलाड़ियों को तय समय सीमा में गेंदबाजी करने में नाकाम रहने पर प्रत्येक ओवर के लिए मैच फीस का 20 प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है। राहुल ने इसके लिए खुद को दोषी माना और प्रस्तावित जुर्माने को स्वीकार कर लिया, इसलिए औपचारिक सुनवाई की कोई आवश्यकता नहीं पड़ी। मैदानी अंपायर मरैस इरास्मस और बोंगानी जेले, तीसरे अंपायर अल्लाउद्दीन पालेकर और चौथे अंपायर एड्रियन होल्डस्टॉक ने यह चार्ज लगाया था। भारतीय टीम ने आखिरी के दो ओवर भारतीय टीम ने देरी से फेंके, जिसके कारण भारत पर जुर्माना लगा है। एक ओवर के लिए खिलाड़ियों की 20 फीसदी मैच फीस काटी जाती है, जबकि भारत ने दो ओवर देरी से फेंके तो ऐसे में टीम के खिलाड़ियों की 40-40 फीसदी मैच फीस काटी जाएगी।

भारतीय महिला टीम 2023 फीफा विश्व कप की होड़ से बाहर

कोरोना के कारण भारत महिला एशिया कप से हटा

मुंबई। एशियाई फुटबॉल परिसंघ (एएफसी) ने सोमवार को पुष्टि की कि मेजबान भारत मौजूदा महिला एशिया कप 2022 से टीम में कोरोना के बढ़ते मामलों के कारण हट गया है। भारत के हटाने का मतलब है कि भारत 2023 फीफा विश्व कप की होड़ से भी बाहर हो गया है। एशिया कप विश्व कप के लिए क्वॉलीफायर भी है। एशियाई फुटबॉल परिसंघ (एएफसी) ने कहा कि परिस्थितियों को देखते हुए टूर्नामेंट का अनुच्छेद 4.1 का नियम लागू होगा जो स्पष्ट करता है कि अगर टीम एक मैच के लिए इकट्ठा नहीं हो पाती है तो इसका मतलब होगा कि उसने संबंधित टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया है। भारत के हटने के परिणामस्वरूप वह टूर्नामेंट से बाहर हो गया है। 23 जनवरी को, चीनी ताइपे के खिलाफ भारत के एशियाई कप ग्रुप ए मैच को शुरू होने से कुछ मिनट पहले रद्द कर दिया गया, क्योंकि मेजबान टीम 13 खिलाड़ियों के कोरोना जांच में पॉजिटिव आने केबाद मैदान में नहीं उतार सकी थी, जो

कि एएफसी नियमों के अनुसार खेल के लिए न्यूनतम आवश्यकता है। एआईएफएफ अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल ने कहा, घटनाक्रम पर चिंता व्यक्त की लेकिन हैरानी की बात है कि उन्होंने टीम की टूर्नामेंट में स्थिति स्पष्ट नहीं की। उन्होंने कहा, हम उतने ही निराश हैं जितना शायद पूरा देश इस समय इस अवांछित स्थिति के पैदा होने से होगा। उन्होंने कहा, हालांकि खिलाड़ियों का स्वास्थ्य हमारे लिये सर्वोपरि है और किसी भी परिस्थितियों में इससे समझौता नहीं किया जा सकता। मैं सभी संक्रमित खिलाड़ियों और टीम अधिकारियों के जल्द से जल्द पूर्ण रूप से ठीक होने की कामना करता हूं।

भारत का दक्षिण अफ्रीका दौराः केएल राहुल की कप्तानी पर सवाल, कुछ सीनियर खिलाड़ियों का कैरियर ढलान पर

नयी दिल्ली। किंकर्तव्यविमूढ़ सा नजर आने वाला कार्यवाहक कप्तान, अपने कैरियर की ढलान पर पहुंचे कुछ सीनियर खिलाड़ी और सीमित ओवरों के क्रिकेट में रूढिवादी रवैये। दक्षिण अफ्रीका दौरे पर भारत के प्रदर्शन की कुल जमा तस्वीर यही रही और अब आत्ममंथन के लिये कई सवाल टीम प्रबंधन के सामने होंगे। इस दौरे पर रवाना होने से पहले ही संकेत मिल गए थे कि सब कुछ ठीक ठाक नहीं रहने वाला है जब तत्कालीन टेस्ट कप्तान विराट कोहली की बीसीसीआई के शीर्ष अधिकारियों से ठन गई थी। पूरा प्रकरण टीम की रवानगी से पहले सही नहीं था लेकिन पहले टेस्ट में मिली जीत के बाद यह हाशिये पर चला गया। टेस्ट श्रृंखला जीतने के बाद आत्मविश्वास से ओत प्रोत दक्षिण अफ्रीका टीम के सामने कार्यवाहक वनडे कप्तान केएल राहुल के करने के लिये बहुत कुछ बचा नहीं था। कोहली भले ही स्वीकार नहीं करें लेकिन सच यही है कि बतौर क्रिकेटर वह अपने कैरियर के सबसे कठिन दौर से गुजर रहे हैं। तीन में से दो प्रारूपों में कप्तानी उन्होंने छोड़ी और एक से उन्हें हटा दिया गया। लेकिन वह कोहली हैं और दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में यूं ही शुमार नहीं होते। अपने इर्द गिर्द तमाम सुर्खियों के बावजूद उन्होंने तीसरे टेस्ट में 79 रन बनाये। वनडे में भी उन्होंने दो अर्धशतक जड़े लेकिन वह अपनी चिर परिचित लय में नही थे। केपटाउन टेस्ट में डीआरएस का एक फैसला अनुकूल नहीं आने पर प्रसारकों पर भड़ास निकालने से उनकी ख्याति को ठेस पहुंची और भारत की मैच में वापसी की संभावना को भी। टेस्ट श्रृंखला हारने के बाद कोहली ने कप्तानी छोड़ दी लेकिन उनके वारिस के रूप में देखे जा रहे राहुल प्रभावित नहीं कर सके। बीसीसीआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा,क्या केएल राहुल किसी भी नजरिये से कप्तान लग रहा था। उनसे पूछा गया था कि रोहित की फिटनेस समस्याओं के कारण क्या राहुल को टेस्ट कप्तान बनाया जा सकता है। समझा जाता है कि कोच राहुल द्रविड़ राहुल को दीर्घकालिन विकल्प के रूप में देखते है और यही वजह है कि उन्होंने उसकी कप्तानी का बचाव किया। उन्होंने कहा, उसने अपने काम को बखूबी अंजाम दिया। कप्तानी का मतलब अपने खिलाड़ियों से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कराना भी है। वनडे टीम में संतुलन की कमी दिखी। वह समय के साथ सीखेगा। भारत ऐसी टीम से हारा जो बदलाव के दौर से गुजर रही है और जिसके कोच पर नस्लीय दुर्व्यवहार के आरोप लगे हैं। भारतीय टीम ने बेखौफ क्रिकेट नहीं खेली और ना ही कोई सूझबूझ दिखाई।

पीकेएलः जयपुर को हराकर टॉप-3 में पहुंचा बंगाल

मनिंदर के करियर के 900 रेड पॉइंट पूरे

बेंगलुरु। अपने कप्तान और स्टार रेडर मनिंदर सिंह (13 अंक) के सीजन के 11वें सुपर- 10 की बदौलत मौजूदा चैम्पियन बंगाल वॉरियर्स ने वीवो प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के आठवें सीजन के 75वें मैच में सोमवार को पहले सीजन के विजेता जयपुर पिंक पैंथर्स को 41-22 से हरा दिया। इस जीत के साथ बंगाल टॉप-3 में पहुंच गए हैं। मनिंदर ने इस मैच में अपने करियर के 900 रेड पॉइंट पूरे किए और अपनी टीम को सीजन की सातवीं जीत दिलाई। यह जयपुर की पांचवीं हार है।

जयपुर के लिए अर्जुन देसवाल ने हमेशा की तरह चमकदार खेल दिखाते हुए 10 अंक लिया लेकिन डिफेंस (4 अंक) और दूसरे रेडरों का साथ नहीं मिलने के कारण वह अपने मकसद में कामयाब नहीं हो सके। बंगाल के डिफेंस ने 10 अंक लिए। मनिंदर और सुकेश हेगड़े ने एक समय बंगाल को 3-1 की लीड दिला रखी थी लेकिन अपनी दूसरी रेड पर अर्जुन देसवाल ने दो अंक लेकर हिसाब बराबर कर दिया। फिर और दो अंकों के साथ जयपुर ने 5-3 की लीड ले ली। फिर सुकेश ने मल्टी प्वाइंट रेड के साथ स्कोर 5-5 कर दिया। इसके बाद देसवाल और हेगड़े ने अपनी-अपनी टीमों के एक-एक अंक दिलाया लेकिन मोहम्मद नबीबक्श को बेहतरीन तरीके से लपक कप संदीप ढुल ने जयपुर को 7-6 से आगे कर दिया। अब देसवाल डू ओर डाई रेड पर थे। वह अंक लेकर लौटे और लीड 2 की कर दी।

बंगाल के लिए सुपर टैकल आन था। अगली डू ओर डाई रेड पर आनंद ने साहुल कुमार को आउट किया। फिर बंगाल के डिफेंस ने देसवाल का शिकार कर स्कोर 8-8 कर दिया।

डिफेंस ने पल्टन को दिलाई सीजन की छठी जीत

अपने डिफेंस (13 अंक) के शानदार तालमेल के दम पर पुनेरी पल्टन ने दबंग दिल्ली केसी को 42-25 के अंतर से हरा दिया। दिल्ली की यह सीजन की चौथी हार है जबकि पल्टन को छठी जीत मिली है। पल्टन की जीत में दिल्ली के डिफेंस का बड़ा हाथ रहा। पूरे मैच में दिल्ली के डिफेंडरों ने सिर्फ चार अंक हासिल किए। नवीन एक्सप्रेस की गैरमौजूदगी में रेडरों (19 अंक) ने अपेक्षाकृत अच्छा प्रदर्शन किया। दूसरी ओर, पल्टन ने शुरुआत से ही डिफेंस के दम पर दबाव बनाए रखा अपनी टीम को एक बड़ी जीत दिलाई। पल्टन के लिए अच्छी बात यह रही कि उसके तीन बड़े रेडरों ने चमकदार खेल दिखाया और 21 अंक जुटाए।

जरा याद करो कुबार्नी : भारत की पहली गदर क्रांति का गवाह शहीद स्मारक सेनापुर

अंधेरे में राष्ट्रीय ध्वज का फहरना चर्चा विषय, प्रशासन व जनप्रतिनिधि मौन

प्रखर केराकत जौनपुर। स्थानीय क्षेत्र के सेनापुर गांव में जंग-ए-आजादी की लड़ाई में दीवान-ए-खास रहे अमर शहीदों की याद में बने शहीद स्तम्भ और फहराता रास्ट्रीय ध्वज इतिहास के पन्नों में चार चांद लगा रहा है वहीं रात्रि अंधेरे में ध्वज का फहराना ग्रामीणों के मन पर बोझ सा लगता है। गौरतलब है वर्ष 1857ई में भारत की पहली गदर क्रांति मे भारत को आजाद कराने में डोभी क्षेत्र के रणबांकुरों ने बढ़चढ़ हिस्सा लिया जिसका गवाह सेनापुर गॉव में बना शहीद स्मारक हैं।डोभी की लड़ाई भारतीय इतिहास की सबसे बड़ी लड़ाईयों में से एक है जहाँ एक पेड़ पर एक ही दिन एक ही समय 23 रणबांकुरों को फांसी दी गयी थी। पर भारतीय इतिहास के पन्नों में अतीत बनकर रह गई हैं।

23 शहीदों में से सिर्फ 15शहीदों के नाम का उल्लेख स्तम्भ पर लगे शिलापट्ट पर अंकित है वही 8 शहीदों के नाम इतिहास के पन्ने में गुम हो गये। शहीद स्तम्भ पर लगे शिला पट्ट पर यदुवीर सिंह, दयाल सिंह, शिवव्रत सिंह, जय मंगल सिंह, रामदुलार सिंह, शिवराम अहीर, किशुन अहीर, माधव सिंह, विश्वेसर सिंह, रामभरोस सिंह, एवं छांगुर सिंह क्रांतिकारियों का नाम अंकित है। गॉव के ही विनोद कुमार के कई वर्षों के संघर्षों के बाद प्रशासन का ध्यान जीर्ण शीर्ण अवस्था मे पड़े शहीद स्तम्भ पर पड़ी ततपश्चात क्षेत्र पंचायत व ग्राम पंचायत निधि से शहीद स्मारक का जीर्णोद्धार के साथ ही परिसर में 51फिट ऊँचा तिरंगा प्रशासन द्वारा लगाया गया। जो लगातार नीले मखर तले फहराकर शहीदों के आजाद भारत के सपने को साकार कर रहा है।पर अफसोस होता हैं कि रास्ट्रीय ध्वज रात के अंधेरे में फहरने को मजबूर हैं जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों का ध्यान रात में फहर रहे राष्ट्रीय ध्वज की तरफ नही जाता जोकि एक तरह से शहीदों के शहादद की उपेक्षा कहे तो सही होगा।देखने वाली वात है कि 51 फीट का राष्ट्रीय ध्वज प्रतिदिन फहराया जाता है और अंधेरे में ध्वज फहराना ग्रामीणों को भी अटपटा लग रहा है। अभिलाष सिंह, देवकी सिंह, जगलाल सिंह, ठाकुर सिंह,

जिलाधिकारी ने लोगो को मतदान करने की दिलाई शपथ

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार 12वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर जिला प्रशासन एवं नेहरू युवा केन्द्र के तत्वाधान मे जनपद स्तरीय सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन कलेक्ट्रेट परिसर में भव्य रूप से सम्पन्न हुआ। सांस्कृतिक प्रस्तुति मे गाजीपुर की प्रसिद्ध धोबिया नृत्य सल्टू राम एवं साथी कलाकारों द्वारा मतदाता जागरूकता गीत प्रस्तुत किया गया। प्रसिद्ध भोजपुरी कलाकार जावेद खॉ ने मतदाता जागरूकता गीत प्रस्तुत किया, गायक राकेश कुमार एवं अन्य कलाकारों ने स्वागत गीत, शत प्रतिशत मतदान की अपील गीत के माध्यम से किया। जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया इसके पश्चात भारत निर्वाचन आयोग के मुख्य निर्वाचन आयुक्त द्वारा लाईव प्रसारण के माध्यम से राष्ट्र के नाम संदेश प्रसारित किया गया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी ने अपने सम्बोधन में कहा कि यह 12वॉ राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया जा रहा है। इसका उद्देश्य अधिक से अधिक लोग अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करें। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 01 नवम्बर से 05 दिसम्बर तक मतदाता सूची मे नाम जोड़ने, अपमार्जन करने तथा संशोधन हेतु तिथि निर्धारित की गयी थी, जिसमे इस जनपद के सभी वूथ लेबल एवं इससे जुड़े अन्य अधिकारियों की टीम ने मेहनत कर प्रदेश मे नाम रोशन किया है। इसका श्रेय पूरी टीम को जाता है जो अपने-अपने बूथो पर जाकर कार्य करते हुए ऐतिहासिक उपलब्धि प्राप्त की इस कार्य मे जनपद टाप टेन की सूची मे है। जनपद मे वर्तमान मे 1 लाख 38 हजार मतदाता बढे है, जिसमे एक भी किसी पार्टी की शिकायत आया हो सभी कार्य पूरी निष्पक्षता से किया गया। वोटर लिस्ट त्रुटि रहित होगा तभी मतदान अच्छा होगा। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने अपील किया कि अभी भी जिनका नाम छूटा है वे लोग अपने बूथ लेबल कार्यकर्ताओ से सम्पर्क कर अपना आनलाईन आवेदन प्रस्तुत कर दे। आयोग के अनुसाार मतदान सुगम हो, समावेशी हो और सहभागी हो। कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी ने सभी से अपील किया कि 7 मार्च को होने वाले चुनाव मे अपने मत का प्रयोग अवश्य करें तथा अपने पास-पडोस के लोगो को भी जागृत कर मतदान करायें, जिससे लोकतंत्र को मजबूत हो सके, जिससे एक अच्छी सरकार बन सके और हमारा देश उन्नतशील देशो के सूची में शामिल हो सके।

संक्षिप्त खबरें

गणतंत्र दिवस पर कल रिलीज होगी रतन राहा की फिल्म 'बनारसी पहलवान

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। गणतंत्र दिवस के अवसर पर कल 26 जनवरी को अरउ डिजिटल चैनल से निर्देशक रतन राहा की फिल्म 'बनारसी पहलवान' का वर्ल्ड प्रीमियर होगा। ये जानकारी रतन राहा ने खुद दी। उन्होंने बताया कि फिल्म 'बनारसी पहलवान' देसी दंगल पर आधारित बेजोड़ स्टोरी लाइन वाली फिल्म है। जिसे दर्शक यूट्यूब पर ही देख पाएंगे। हमने इस फिल्म के लिए खूब मेहनत की थी। उन्होंने कहा कि साल 2022 के गणतंत्र दिवस पर दर्शकों को एक तोहफा देना चाहते हैं। इसलिए यह फिल्म हम रिलीज कर रहे हैं। वैसे भी देश में कोरोना की वजह से सब कुछ बंद है। ऐसे में हम एक बेहतरीन मनोरंजन वाली फिल्म आपके पास अरउ डिजिटल चैनल से लेकर आ रहे हैं। इसलिए उम्मीद है कि आप हमारी फिल्म देखेंगे और अपनी राय देंगे। फिल्म फुल फ्लेज मनोरंजन वाला है। आप मिस न करिएगा। उन्होंने बताया कि फिल्म 'बनारसी पहलवान' में संजय मलिक, सुनील, छोटू, निशा दुबे, गिरीश शर्मा, सन्नी सिंह, सुरेश राजभर, बालेश्वर सिंह, अयाज खान, सी पी भट्ट, रानी, नंदनी दुबे, अन्नू ओझा, सीमा सिंह मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म के निमार्ता संजय यादव और अशोक गोस्वामी हैं। कथा बेचन प्रसाद, पटकथा अनिल विश्वकर्मा, संगीत प्रदीप रंजन, पिंटू प्रीतम और गीत मुन्ना दुबे व बेचने प्रसाद का है।

विद्यालय में हुआ मतदान जागरूकता के लिए विशेष कार्यक्रम का आयोजन

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार 25 जनवरी दिन मंगलवार को शाह फैज पब्लिक स्कूल में मतदान जागरूकता के लिए एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इसमें विद्यालय के निदेशक डॉ. नदीम अदहमी ने सभी को मतदान के लिए शपथ दिलाया। इस कार्यक्रम में मतदान जागरूकता पर विशेष गीत ह्वचाहे जो भी हो पर वोट जरूर देना हैह्व विद्यालय की शिक्षिकाओं द्वारा गाया गया। इस दौरान कक्षा 11 के विद्यार्थियों ने ऑनलाइन के माध्यम से मतदान के अधिकार पर विचार व्यक्त किया। बतादें की इस कार्यक्रम में पूरे कोविड-19 गाइडलाइन का पालन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय की प्रधानाचार्य तसनीम कौसर सहित सभी शिक्षकों और कर्मचारियों ने भाग लिया।

मुख्य विकास अधिकारी ने कर्मचारियों को दिलायी शपथ

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। विकास भवन सभागार में मंगलवार को राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया गया। इसकी अध्यक्षता कर रहे मुख्य विकास अधिकारी श्रीप्रकाश गुप्ता ने कर्मचारियों को मतदान करने के लिए शपथ दिलाया। कहा कि वह समाज के एक प्रबुद्ध स्तंभ है, जो समाज को जगाने का कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि हम बिना किसी धर्म, किसी मजहब, किसी जाति, किसी समुदाय व किसी प्रलोभन के अपने मत का प्रयोग करें और अपने अगल- बगल, दोस्त मित्र, रिश्तदारों को मतदान करने के लिए जागरूक करें। उन्होंने कहा कि अपने मत का सोच-समझकर प्रयोग करें। इस दौरान उन्होंने कर्मचारियों को अवगत कराया कि जिन कर्मचारियों का मतदान में ड्यूटी लगे, वह पोस्टकार्ड मतदान पत्र का प्रयोग कर अपने मतदान का प्रयोग अवश्य करें।

आशीर्वाद क्लब द्वारा वैक्सीनेशनकैंप का किया गया आयोजन व जरूरतमंद लोगों को कम्बल वितरण

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। आशीर्वाद क्लब गोलघर द्वारा संरक्षक दीपक अग्रवाल के नेतृत्व में वैक्सीनेशन कैंप का आयोजन सोमवार पुनः गोलघर में किया गया जिसमें 180 लोगों को वैक्सीन लगाई गई उक्त अवसर पर सफाई कर्मियों को एवं जरूरतमंदों को कंबल का वितरण किया गया` पंकज अग्रवाल अध्यक्ष ने बताया कि यह कैंप विगत करोना काल से ही लगातार चल रहा है, जिसमें 2000 से ज्यादा वैक्सीन लगाई जा चुकी है, आगे भी यह क्रम लगातार चलता रहेगा। दीपक अग्रवाल संरक्षक ने कहा कि यह बहुत बड़ा पुण्य का काम है और इससे स्वास्थ्य के प्रति बहुत लाभ होगा आशीर्वाद क्लब को हम सभी बधाई और शुभकामनाएं देते हैं` उक्त कार्य में विशाल गुजराती एवं लक्ष्मण आचार्य का विशेष सहयोग रहा।

उत्तर प्रदेश अपराध निरोधक समिति ने कैदियों को उपलब्ध कराया खेलकूद का सामान

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। गणतंत्र दिवस 26 जनवरी के पूर्व संध्या पर चेयरमैन डॉ. उमेश शर्मा और प्रांतीय सचिव जी.के. पाठक के दिशा निर्देशन में जिला कारागार गाजीपुर में उत्तर प्रदेश अपराध निरोधक समिति लखनऊ के जोन सचिव/जेल पर्यवेक्षक(वाराणसी) मयंक कुमार सिंह के नेतृत्व में जोन एवं जिला अपराध निरोधक समिति के पदाधिकारीयों के साथ जिला कारागार में कैदियों के मानसिक तनाव को कम करने के लिए कैरम बोर्ड, चेस बोर्ड, रैकेट बैडमिंटन, लूडो इत्यादि वस्तुएं उपलब्ध कराया गया है। ज्ञात रहे कि समिति, कारागार प्रशासन का सहयोग लगातार यथासंभव करती रही है और आगे भी करती रहेगी। इस दौरान जोन सचिव मयंक सिंह ने कहा कि अपराध निरोधक समिति लखनऊ वर्ष 1938 से ही पुलिस व प्रशासन का सहयोग अपराध नियंत्रण में कर रही है एवम पिछले कोरोना संक्रमण में समिति ने प्रदेश की लगभग सभी जेलों में अपना अतुलनीय योगदान दिया है, जिसके परिणामस्वरूप कारागार प्रशासन ने समिति को सम्मानित भी किया था।

गणतंत्र दिवस की सभी क्षेत्रवासियों व समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

राकेश यादव

जिला पंचायत सदस्य,ब्लाक बृजमनगंज जिला महाराजगंज

गणतंत्र दिवस की सभी क्षेत्रवासियों व समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

श्रीमती बिंदु यादव

पूर्व प्रधान चैनपुर

गणतंत्र दिवस की सभी क्षेत्रवासियों व समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

हाजी महमूद आलम खान (प्रबंधक)

ऑलमाइटी पब्लिक स्कूल इंटरमीडिएट कॉलेज ऑलमाइटी डिग्री कॉलेज बृजमनगंज महाराजगंज

प्रधानाचार्य- सुनील कुमार

प्राचार्य- डॉक्टर बबीता अग्रवाल

एमएलसी आशुतोष सिन्हा को नोटिस दिए जाने से समाजवादी पार्टी में रोष

प्रखर वाराणसी। एमएलसी आशुतोष सिन्हा को नोटिस दिए जाने से समाजवादी पार्टी में रोष व्याप्त है । युवजनसभा प्रदेश सचिव वरुण सिंह , समाजवादी बाबा साहब वाहिनी के महानगर अध्यक्ष वीरेन्द्र यादव ,लोहिया वाहिनी के राष्ट्रीय सचिव ई0 विवेक सिंह ,शहर दक्षिणी के आवेदक लक्ष्मीकांत मिश्र उर्फ किसमिस गुरु और शिक्षक सभा महानगर अध्यक्ष आलोक गुप्ता ने आज जिला निर्वाचन अधिकारी से भाजपा के जिलाध्यक्ष और महानगर अध्यक्ष द्वारा आये दिन बिना परमिशन निकाले जाने वाले जुलूसों पर कोई कार्यवाही न करने की निंदा करते हुए एमएलसी आशुतोष सिन्हा को मिले नोटिस को वापस किया जाने की मांग की गई ।

युवजनसभा प्रदेश सचिव वरुण सिंह ने कहा आखिर समाजवादी पार्टी अपने घोषणा पत्र को जनता के बीच ले जाकर ही चुनाव लड़ रही है । अब जनता सपा को हाथों हाथ ले रही है ।

समाजवादी बाबा साहब वाहिनी महानगर अध्यक्ष वीरेन्द्र यादव ने कहा 300 यूनिट मुफ्त बिजली , 22 लाख आई टी सेक्टर में नौकरी , मुफ्त सिंचाई के संसाधन , 18000 सालाना समाजवादी पेंशन जैसी योजनाओं की चर्चा अब जनता चट्टी चौराहों ओर करने लगी है । लोहियावाहिनी राष्ट्रीय सचिव ई0 विवेक सिंह ने कहा सत्ता के बिना दुरुपयोग के भाजपा चुनाव लड़ ही नही सकती है । हम समाजवादी विकास के लिए तैयार रोड मैप पर चुनाव में जा रहे हैं । लोहियावाहिनी के पूर्व जिलाध्यक्ष और शहर दक्षिणी के आवेदक लक्ष्मीकांत मिश्रा उर्फ किसमिस गुरु ने कहा दमन की नीति से जो सरकार 5 साल चली है अब उसकी बिदाई का वक्त आ गया है । इसलिए हताश सरकार अपने अधिकारियों के बल और समाजवादियों को डराना चाहती है । शिक्षक सभा महानगर अध्यक्ष आलोक गुप्ता ने इस कार्यवाही को एकतरफा सत्ता के दबाव में योगी सरकार को खुश करने के लिए नोटिस देना बताया । अन्य वक्ताओं ने कहा विधिक राय लेकर आगे समाजवादी प्रचार करेंगे । भाजपा सरकार चाहे कितनी भी बंदिशें लगाए नियम विरुद्ध बंदिशें कभी नही मानी जायेगी । बैठक में प्रमुख रूप से - वरुण सिंह ,वीरेन्द्र यादव ,ई0 विवेक सिंह ,लक्ष्मीकांत मिश्र उर्फ किसमिस गुरु , आलोक गुप्ता ,रवि कुमार बिन्द उर्फ भानु , मो0 अशरफ, नीरज सेठ, सन्दीप बिन्द, योगेन्द्र आर्या, किशन कन्नौजिया, प्रतीक कन्नौजिया, विवेक शाही , हनुमान यादव, मनीष यादव, सहित अन्य समाजवादी मौजूद रहे।

महात्मा गांधी इ.का. बृजमनगंज में मतदाता दिवस पर हुई वाद-विवाद, पोस्टर एवं रंगोली प्रतियोगिता

प्रखर महराजगंज। राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर महात्मा गांधी इण्टर कॉलेज बृजमनगंज में छात्र-छात्राओं को मतदान करने के प्रति प्रतिबद्ध रहने के लिए शपथ ग्रहण कराया गया। इसके साथ ही मतदाता दिवस पर रंगोली, वाद-विवाद व पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। रंगोली प्रतियोगिता में कस्तूरबा टीम की सावरा एवं माहेरा ने प्रथम, सरदार पटेल टीम के विक्रान्त, पूरन, सचिन व रिंकी द्वितीय तथा महादेवी वर्मा टीम की नन्दनी, रीमा, अंकिता, सोनी, रीना, नीलम तृतीय स्थान प्राप्त कीं। वाद-विवाद प्रतियोगिता में डॉ अम्बेडकर टीम के राहुल, सचिन व सुभाष विजेता घोषित हुए। तथा पोस्टर प्रतियोगिता में कक्षा-10 के अमित प्रथम, कक्षा-12 की संघप्रिया द्वितीय व कक्षा-10 की नन्दनी तृतीय स्थान पर बनी रहीं। इस अवसर पर प्रधानाचार्य डॉ राम अवतार ने कहा कि मतदान से ही हमारा और हमारे देश का भविष्य तय होता है इसलिए शत प्रतिशत मतदान के लिए हमें प्रतिबद्ध रहना चाहिए, ऐसे में विभिन्न प्रतियोगिता न केवल जागरूकता बढ़ाएंगे बल्कि टीम भावना विकसित करेंगे। माध्यमिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष अशोक राय ने कहा कि मतदान हमारा प्राथमिक कर्तव्य होना चाहिए, यह राष्ट्र निर्माण में मुख्य भूमिका निभाता है। विभिन्न प्रतियोगिताओं में डॉ विजयश्री, प्रेमलता, अभिलाषा, श्रीचन्द, रविशंकर, सत्येन्द्र, सत्यप्रकाश, गोपाल, भरत, राकेश, अजय, सुखपाल, परशुराम, नरसिंह, शाकुन्त, प्रकाश आदि शिक्षक मुख्य भूमिका में रहें; इसके साथ ही सैकड़ो छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

कोतवाली परिसर में राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर दिलायी गयी शपथ

प्रखर केराकत जौनपुर । रास्ट्रीय मतदाता दिवस पर देश भर में कार्यक्रम आयोजित कर मतदाता जागरूकता अभियान के तहद मतदाताओं को जागरूक करते हुए देश के हर थानों में तैनात पुलिसकर्मियों को शपथ दिलाई जा रही इसी क्रम में केराकत कोतवाली परिसर में रास्ट्रीय मतदाता दिवस पर प्रभारी निरीक्षक लक्ष्मण पर्वत के नेतृत्व में देश की एकता,अखंडता,सम्प्रभुता एवं नागरिकों की सुरक्षा हेतु पुलिसकर्मियों को शपथ दिलाने के साथ निष्पक्ष व निर्भीक चुनाव संपन्न कराने की बात को बताई गई।इस अवसर पर उपनिरीक्षक विनीत मोहन पाठक,संतोष यादव,रामआसरे यादव,राकेश तिवारी,विवेकानंद सिंह यादव,शियराम यादव,गोविंद देव मिश्रा, सदाशिव यादव,नारद सिंह,शेषनाथ सिंह,भोलानाथ मिश्रा,महिला उपनिरीक्षक आरती सिंह,हेड कॉन्स्टेबल जयचंद यादव,योगेश चौधरी,अनिल सिंह,विजय शंकर यादव,कांस्टेबल बाबूलाल राय, विश्वास यादव,विष्णु यादव मौजूद रहे।

प्रभारी निरीक्षक ने दिखाई दरियादिली – बुजुर्क महिला फरियादी अपनी फरियाद को लेकर

थाने में पहुँच अपनी फरियाद प्रभारी निरीक्षक लक्ष्मण पर्वत को सुनाई बुजुर्क महिला की फरियाद सुन जल्द ही समस्या का निस्तारण करने का आश्वासन दिए।प्रभारी निरीक्षक ने ठंठ से कांप रही फरियादी को तत्काल कम्बल खरीदकर दिए। कम्बल पाकर फरियादी के चेहरे पर खुशी देखने के लायक थी मीडिया से बात करते हुए फरियादी ने बताया कि जिस तरह से प्रभारी निरीक्षक ने हमारी शिकायत सुन निस्तारण करने की बात को बताने के साथ कम्बल दिए उसके लिए जितनी भी प्रसंसा की जाय कम है आज तक इनके जैसा प्रभारी निरीक्षक मैंने अपने जीवन मे नही देखा है।

गणतंत्र दिवस की सभी क्षेत्रवासियों व समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

नवीन चंद्र श्रीवास्तव

शाखा प्रबंधक बड़ौदा यूपी ग्रामीण बैंक शाखा बृजमनगंज

गणतंत्र दिवस पर देशवासियों एवं ग्रामवासियों को हार्दिक बधाई एवं ढ़ेर सारी शुभकामनाएं

श्री चन्द्रकेश जायसवाल (चन्दू)

ग्राम प्रधान व पूर्व व्यापार मण्डल अध्यक्ष कोपा पतरही जौनपुर

गणतंत्र दिवस की सभी क्षेत्रवासियों व समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

लक्ष्मी कांत मिश्रा उर्फ किसमिस गुरु

389 शहर दक्षिणी आवेदक प्रत्याशी पूर्व जिला अध्यक्ष समाजवादी लोहिया वाहिनी राष्ट्रीय संरक्षक केंद्रीय ब्राह्मण महासभा एमडी होटल आदेश पैलेस

गणतंत्र दिवस की सभी क्षेत्रवासियों व समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

राजेश गौतम

वरिष्ठ विपणन निरीक्षक (SMI) FCI बृजमनगंज

समस्त देशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

जीवन ज्योति चिकित्सालय

नार्मल स्कूल के पीछे केराकत, जौनपुर

डा. चन्द्रसेन गुप्ता

गणतंत्र दिवस की सभी ग्राम-वासियों क्षेत्र वासियों व समस्त देश वासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

मंजू सिंह

प्रधान पति

सतीश सिंह

ग्राम प्रधान- विशुनपुर लेवरूवा, जौनपुर

लाखों लीटर पानी हो रहा रोजाना बर्बाद जिम्मेदार कौन ?

सीजीडबल्यूए के पानी के बबार्दी के खिलाफ कड़े आदेश के बाद भी जिम्मेदर बेखबर

प्रखर कछवारोड़,वाराणसी। स्थानीय थाना क्षेत्र में गौर ग्राम में राने चट्टी के समीप पेय जल की पाइप लाइन विगत कई महीनो से फटी पड़ी है जिससे लाखो लीटर पानी खेतो व अन्य जगहों पर अनायास ही बह रहा है जल निगम विभाग हर साल पानी की बबार्दी को रोकने के लिए मरम्मत के नाम पर करोड़ों रुपये खर्च करते हैं, लेकिन लीकेज के चलते वॉटर लॉस को कम नहीं कर पा रहे है। पचास हजार की आबादी को रोज पेयजल आपूर्ति करता है इसमें वॉटर लॉस का प्रतिशत दस फीसदी है। यानी पाच हजार की आबादी की जरूरत पूरा करने वाला पानी रोज नालियों, खेतो खाली प्लाटों में बह रहा है। सीजीडब्ल्यूए के निर्देश के अनुसार पीने योग्य पानी का दुरुपयोग भारत में 1 लाख रुपये तक के जुमार्ना और 5 साल तक की जेल की सजा के साथ दंडनीय अपराध होगा।

सीजीडब्ल्यूए ने पानी की बबार्दी और बेवजह इस्तेमाल पर रोक लगाने के लिए 08 अक्तूबर, 2020 को पर्यावरण (संरक्षण) कानून, 1986 की धारा पांच की शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए प्राधिकरणों और देश के सभी लोगों

को संबोधित करते हुए दो बिंदु वाले अपने आदेश में कहा है इस आदेश के जारी होने की तारीख से संबंधित नागरिक निकाय जो कि राज्यों और संघ शासित प्रदेशों में पानी आपूर्ति नेटवर्क को संभालती हैं और जिन्हें जल बोर्ड, जल निगम, वाटर वर्क्स डिपार्टमेंट, नगर निगम, नगर पालिका, विकास प्राधिकरण, पंचायत या किसी भी अन्य नाम से पुकारा जाता है, वो यह सुनिश्चित करेंगी कि भूजल से हासिल होने वाले पोटेबल वाटर यानी पीने योग्य पानी की बबार्दी और उसका बेजा इस्तेमाल नहीं होगा। इस आदेश का पालन करने के लिए सभी एक तंत्र विकसित करेंगी और आदेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ दंडात्मक उपाय किए जाएंगे।

वही स्थानीय लोगों का कहना है कि कर्मचारी 10 फीट गड्ढा खोदकर चले गए हैं जहां से पाइपलन फटी है। वहां से पानी बहता रहता है। लोगों की मांग है कि उनकी परेशानी का जल्द समाधान हो।

कार के धक्के से बाइक सवार दो लोगों की हुई मौत

प्रखर पिंडरा वाराणसी। वाराणसी-लखनऊ फोरलेन पिंडरा बाईपास हाइवे पर असबालपुर स्थित स्वामी हरहरानंद आश्रम के सामने जौनपुर दिशा से आ रहे बाइक को पीछे से तेज गति से आ रही कार ने जोरदार टक्कर मार दी। जिससे बाइक सवार दो लोगों की मौके पर मौत हो गई। घटना मंगलवार की दोपहर ढाई बजे की है। बताया जाता है कि जौनपुर की तरफ से एक बाइक पर दो युवक सवार होकर बाराणसी की तरफ जा रहे थे। तभी पीछे से तेज गति से आ रही कार ने जोरदार टक्कर मार दी। जिससे बाइक पर बैठे लोग हवा में उड़ते हुए लबे सड़क जा गिरे। जिससे सिर में गंभीर चोट लगने से मौके पर मौत हो गई। वही घटना के पश्चात कार सवार मौके से फरार हो गए लेकिन हड़बड़ी में कार में एक मोबाइल छूट गया जिसे पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया। वही प्रत्यक्षदर्शियों के सूचना पर हिन्दू जागरण मंच के प्रांत अध्यक्ष गौरीश सिंह मौके पर पहुंचकर

एम्बुलेंस एवं पुलिस प्रशासन को सूचित किया। जिसपर पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लिया। वही घटना के दो घण्टे बाद शव की शिनाख्त हो पाई। बताते हैं कि बाइक सवार व बढ़ईगिरी का काम करने वाला संजय विश्वकर्मा, 40 वर्ष निवासी रसूलपुर कुवार अपने सहयोगी उमाशंकर पटेल 50 वर्ष के साथ थानेरामपुर की तरफ जा रहा था। तभी पीछे से तेज गति से आई कार ने धक्का मार दिया। दोनों मृतक फूलपुर थाना क्षेत्र के निवासी है। इंस्पेक्टर मुन्नाराम ने बताया कि कार को पुलिस ने कब्जे में लेकर आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जा रहा है।

संक्षिप्त खबरें

राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर हुए विविध कार्यक्रम, दिलाया गया संकल्प

प्रखर पिंडरा वाराणसी। राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर तहसील क्षेत्र के विभिन्न कार्यालयों में निष्पक्ष मतदान प्रकिया में बढ़ चढ़ कर भाग लेने व प्रेरित करने का संकल्प लिया गया। तहसील पिंडरा सभागार में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में 25 नए मतदाताओ को एपिक देने के साथ उपस्थित लोगो को शपथ दिलाई गई। इस दौरान राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर केक भी काटा गया। पिंडरा ब्लॉक के शिक्षको द्वारा बनाई गई रंगोली आकर्षण का केंद्र रही। इस दौरान एसडीएम राजीव कुमार राय ने कहाकि मतदाताओ के जागरूकता को देखते हुए निश्चय ही इस बार अधिक मतदान होगा। इस दौरान एआरओ रामनाथ, विकास कुमार पांडेय, बीडीओ शैलेन्द्र कुमार वर्मा, मंगरु राम, रामसूरत पाल व प्रदीप मौर्य समेत अनेक अधिकारी , सुपरवाइजर, बीएलओ व मतदाता उपस्थित रहे। इसके अलावा सीओ कार्यालय, तहसील बार एसोसिएशन, फूलपुर थाना, ब्लॉक मुख्यालय मंगारी, बीआरसी मंगारी पर राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर विविध कार्यक्रम हुए और शपथ दिलाई गई। इसके अलावा इंटर कालेज पिंडरा, दबेथुवा, खालिसपुर, प्राथमिक विद्यालय जमापुर,कृष्णापुर खुर्द, फूलपुर, मरुई, समोगरा,पिंडरा स्थित विभिन्न प्राथमिक व पूर्व माध्यमिक स्कूलों में लोगों को शपथ दिलाने के साथ विविध कार्यक्रम अयोजित किये गए।

केराकत पुलिस व मिलिट्री फोर्स ने किया फ्लैग मार्च

प्रखर केराकत जौनपुर । चुनाव के मद्देनजर क्षेत्र में पैरा मिलिट्री फोर्स का पैदल मार्च लगातार जारी है। मंगलवार को भी कोतवाल लक्ष्मण पर्वत और आईटीबीटी 606 बटालियल कम्पनी ए के साथ संयुक्त नेतृत्व में रूट मार्च किया गया। टीम केराकत थाने से लेकर मनियरा मोड होते हुए मुरलीपुर, सिझवार,परमानन्द पुर, तरियारी, पचवर,ड़ेढूआना,नई बाजार, देवकली,से बेलाव तक मार्च किया गया। इस दौरान फोर्स ने सक्रिय अपराधियों, तथा दुराचारी अपराधियों की चेकिंग और निगरानी की गई। कोतवाल लक्ष्मण पर्वत ने बताया कि चुनाव तक इस तरह की गतिविधियां लागतात चलती रहेंगी।

आधा दर्जन लोगों को किया गया जिला बदर व कई शस्त्र निरस्त

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। विधान सभा चुनाव को सकुशल सम्पन्न कराने के उद्देश्य से उ.प्र. गुण्डा अधिनियम के तहत जनपद मे कई लोगों को जिला बदर किया गया। जिसमे राजेश कुमार सिंह उर्फ कल्लू सिंह पुत्र स्व. वंशबहादुर सिंह निवासी भाला थाना-नोनहरा, अभिनन्दन उर्फ गोलू उर्फ गाठी पुत्र लालबहादुर सिंह निवासी गहमर पट्टी भैरोराय थाना-गहमर, पुनीत यादव पुत्र रामभजन निवासी बरहपुर थाना-नन्दगंज, शंकर पाण्डेय पुत्र रविशेखर पाण्डेय निवासी फुल्लनपुर थाना-कोतवाली, अश्वनी वर्मा पुत्र सतेन्द्रनाथ वर्मा निवासी भाला थाना-नोनहरा एवं संतोष चौहान पुत्र दूधनाथ निवासी मलेठी थाना-दुल्लहपुर को 12 जनवरी से ही जिला बदर कर दिया गया है। इसी प्रकार उ.प्र. आयुध अधिनियम 1959 की धारा 17 (3) के तहत जनपद मे सुनील कुमार सिंह पुत्र सदानन्द निवासी ग्राम उतरौली, थाना- रेवतीपुर एवं रामलाल सिंह यादव पुत्र स्व. मुन्ना सिंह यादव निवासी ग्राम मिठ्ठापारा थाना-जंगीपुर का शस्त्र निरस्त कर दिया गया है।

गणतंत्र दिवस की सभी क्षेत्रवासियों व समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

घनश्याम सिंह

जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि वार्ड संख्या 82

गणतंत्र दिवस की सभी क्षेत्रवासियों व समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

Branch manager-
Suneel yadav
Assistant manager-
Manish kumar
Indian Bank
Branch
Chandwak

गणतंत्र दिवस की सभी ग्राम-वासियों क्षेत्र वासियों व समस्त देश वासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

नंदलाल राम

लेवरूवा ग्राम रोजगार सेवक विकास खण्ड डोभी, जौनपुर

नए भवन में प्रवेश के पूर्व वकीलो ने किया पूजा पाठ

प्रखर पिंडरा वाराणसी। पिंडरा तहसील परिसर में नवनिर्मित दो मंजिला अधिवक्ता भवन में प्रवेश करने के पूर्व अधिवक्ताओ द्वारा मंगलवार को सुंदरकांड का पाठ, हनुमान चालीसा, हवन पूजन के साथ प्रसाद का वितरण किया गया। इस दौरान वकीलो ने पूरे भवन का शुद्धिकरण कराया और कोरोना जैसी महामारी को खत्म होने की आहुति दी। बताते चलें कि उक्त दो मंजिला भवन का लोकार्पण गत माह पीएम

नरेंद्र मोदी ने करखियाव अमूल प्लांट के शिलान्यास के दौरान डेढ़ करोड़ की लागत से बने दो मंजिला भवन का लोकार्पण किया था। उसके बाद तहसील बार द्वारा आवंटन की प्रक्रिया पूरी गई। उक्त भवन में कुल 62 वकील अपना चैंबर बनाकर बैठ सकेंगे। वही मंगलवार को हुए पूजन के दौरान निवर्तमान बार अध्यक्ष जवाहरलाल वर्मा, नवनिर्वाचित बार अध्यक्ष मनोज शुक्ला, महामंत्री जयचन्द कुमार, पूर्व बार अध्यक्ष पंधारी यादव, सुभाष दुबे, अशोक पांडेय , श्रीप्रकाश मिश्रा, प्रितराज माथुर, राजेश पटेल, राजू सिंह, श्याम शंकर सिंह, बिंदु सोनकर, विजयशंकर पांडेय, सुभाष राय, श्याममोहन उपाध्याय समेत दर्जनो वकील रहे।

कपूरी ठाकुर की जंयती पर गोष्ठी का आयोजन

प्रखर जौनपुर। समाजवादी पार्टी कार्यालय पर बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जननायक कपूर्री ठाकुर का जंयती के अवसर पर गोष्ठी आयोजित किया गया सपा जिलाध्यक्ष लालबहादुर यादव ने कहा कपूर्री ठाकुर का राजनीति एक ऐतिहासिक रूप मे रहा उनका जीवन सदा कमजोर गरीब की लडाई लडने मे रहा वे मुख्यमंत्री बनने के बाद उन्होंने किसानों को बडी राहत देते हुए उन्होंने गैर लाभकारी जमीन पर मालगुजारी टैक्स को बन्द कर दिया वे समाज मे बदलाव लाना चाहते थे उन्हें कहीं अंतरजातीय विवाह की खबर मिलती तो उसमें वो पहुंच जाते थे वो समाज मे एक तरह का बदलाव चाहते थे जो आज दबें पिछड़े को सत्ता मेन हिस्सेदारी मिली हुई है उसकी भूमिका कपूर्री ठाकुर ने बनाई और उनके द्वारा एक ऐतिहासिक फैसला लिया गया था जो आज भी लोग उसका लाभ उठा रहे है वे पिछड़ा आरक्षण लागू करनेवाले पहले मुख्यमंत्री बन गए थे जो नजीर बना जिसके चलते अन्य प्रदेशों मे भी

पिछड़े का आरक्षण मिला आज उनके जन्मदिन के अवसर पर समाजवादी परिवार को यह संकल्प लेना होगा की कपूर्री ठाकुर के विचारों को आगे बढाना है और यह तभी संभव है जब उत्तर प्रदेश मे समाजवादी पार्टी की सरकार बनाकर अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनायेंगे तभी समाज का हर वर्ग खुशहाल जीवन व्यतीत करेगा वहीं समाजवादी पिछडा वर्ग प्रदेश सचिव बनाने पर राजेन्द्र यादव का स्वागत किया गया वहीं समाजवादी पार्टी मे आस्था जताते हुए भाजपा नेता विकास विश्कर्मा ने समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण किया जन्मदिन समारोह में मुख्य रूप से उपाध्यक्ष श्याम बहादुर पाल, प्रवक्ता राहुल त्रिपाठी, दीपचंद राम,पूनम मौर्या, बाबा यादव, शकील मंशुरी, शाजिद अलीम, आरीफ हबीब, दीपक जयसवाल, मनोज मौर्या, आशीफ शाह,राजा समाजवादी, अजमत खाँ, कमलेश यादव, संचालन जिलामहाचिव हिसामुद्दीन शाह ने किया ।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने दिलाई मतदाता जागरुकता शपथ

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। 25 जनवरी पूरे प्रदेश में मतदाता जागरूकता दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसी को लेकर जनपद के समस्त विभागों में कार्यरत कर्मचारियों और अधिकारियों को मतदाता जागरूकता शपथ दिलाने का निर्वाचन आयोग के द्वारा निर्देश दिया गया था। इसी क्रम में मंगलवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. हरगोविंद सिंह ने विभाग में कार्यरत समस्त कर्मचारियों को मतदाता जागरूकता शपथ दिलाया। शपथ ग्रहण के दौरान एसीएमओ डॉ. के.के. वर्मा, जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. उमेश कुमार व कर्मचारीगण मौजूद रहे।

कार्यालय मुख्य चिकित्साधिकारी गाजीपुर।

पत्रांक: कोविड/वि0/2021-22/13001 दिनांक : 25.01.2022

अपील

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि कोविड-19 महामारी वर्तमान में प्रसारित है। उक्त के दृष्टिगत कोविड महामारी से बचाव हेतु निम्नानुसार कार्य किया जाना आवश्यक है।

1- दो गज दूरी मास्क है जरूरी।
2- बार-बार साबुन से हाथ धोयें।
3- छिकते व खांसते समय मुंह ढकें।
4- कोविड-19 टीकाकरण अवश्य करायें।
5- आगामी सामान्य विधानसभा निर्वाचन में कोविड प्रोटोकाल का पालन करते हुए अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करें।

डा. हर गोविन्द सिंह
मुख्य चिकित्साधिकारी
गाजीपुर

(मंगला प्रसाद सिंह)
आई0ए0एस0
जिलाधिकारी, गाजीपुर

धांसू जबाब

गांव के चौपाल में जब एक अधेड़ महिला से सवाल दागा गया की

यूपी में का बा? तब उसने जो अपने मन की बात जाहिर कर नहले पर दहला रखा और कहा ई मत पुछा यूपी में का बा?

हमसे ई पुछा कि युपी में का ना बा पूछने वाले ने हलुआ सा मुंह बनाते हुए कहा हां यही बताइए। महिला ने जो जबाब दिया सुनकर लोग भौंचक रह गए।

युपी में सबकुछ बा,उ ना बा जवन सपा के राज में रहल।विनाश ना विकास बा, चोरी ना, खुल्लमखुल्ला हिसाब बा।मासूम क जीवन आबाद बा,हर महिला जिंदाबाद बा अपराधी के बेल ना जेल बा, स्वतंत्रता क आवाज बा, युपी में योगी का राज रामराज बा।

समस्त जनपदवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

प्रो. राहुल शशांक सिंह
नीलम इंटर प्राईजेज
सोनपुर अहरौरा मिजार्पुर
उच्च क्वालिटी के जेएसबी के निर्माता एवं विक्रेता

USG Regd No:- 119/CMO/JNP
कृष्णा डायग्नोस्टिक सेण्टर
सोनोग्राफी अल्ट्रासाउण्ड
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के सामने, स्टेशन रोड, केराकत, जौनपुर
मोबाइल नं0- 9721650988, 9838729795

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं